संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 234
पृष्ठ : 08
मूल्य :1.00
सोमवार 23 नवम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

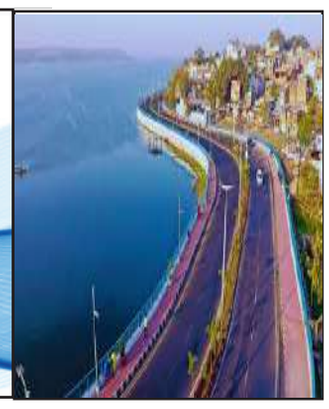

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

इंस्टाग्राम वीडियो देख ऑर्डर की फेयरनेस क्रीम, हो गई किडनी की गंभीर बीमारी

लड़की कई और दिक्कतों का भी कर रही सामना

मलप्पुरम (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन्फ्लुएंसर्स को विभिन्न प्रोडक्ट्स प्रमोट करते आपने कई बार देखा होगा। एक ऐसा ही वीडियो देखा केरल के मलप्पुरम में रहने वाली एक 17 वर्षीय लड़की ने और इसके बाद काफी समय तक उनका इस्तेमाल किया। हालांकि उसे वीडियो में प्रमोट किए गए प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना भारी पड़ गया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस समय यह लड़की गुर्दे की गंभीर बीमारी से जूझ रही है। यह बीमारी कथित तौर पर उसी फेयरनेस क्रीम का इस्तेमाल करने के बाद हुई, जो उसने एक इन्फ्लुएंसर्स द्वारा प्रमोट किए जाने के बाद खरीदी थी। इस लड़की का इलाज कर रहे डॉक्टर्स ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मलप्पुरम में एस्टर एमआईएमएस मदर हॉस्पिटल के डॉक्टर्स के अनुसार, लड़की ने इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर्स के प्रमोशनल वीडियो देखने के बाद वह क्रीम ऑर्डर की। इस वीडियो में दावा किया गया था कि क्रीम से मुंहासे, काले धब्बे और पिगमेंटेशन दूर हो सकते हैं।



एक साल में कई बोतलें मंगवाईं

लड़की ने पत्रकारों को बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर दिए गए एक व्हाट्सएप नंबर के जरिए विक्रेताओं से संपर्क किया और प्रोडक्ट का ऑर्डर दिया। शुरुआत में उसे यह क्रीम असरदार लगी और उसने एक साल के दौरान इसकी कई और बोतलें मंगवाईं। लड़की ने बताया कि बाद में उसे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगीं, जिनमें अचानक ब्लड प्रेशर गिर जाना और बेहोश हो जाना शामिल था। उसके पैरों में सूजन भी आ गई थी, जिससे उसे चलने-फिरने और सीढ़ियां चढ़ने में दिक्कत होने लगी; इसके बाद वह अस्पताल गई।

- **खून में मर्करी की मात्रा अधिक पाई गई-** लड़की का इलाज कर रहीं नेफ्रोलॉजिस्ट गौरी एस. ने पत्रकारों को बताया कि विस्तृत मेडिकल जांच में उसके खून और शरीर में पारे (मर्करी) की खतरनाक रूप से अधिक मात्रा पाई गई है। उन्होंने कहा, पारा किडनी की फिल्टर करने वाली इकाइयों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि लड़की को 'मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी' हो गई है यह किडनी से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है, जिसका इलाज न कराने पर आगे चलकर और भी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। डॉक्टर ने बताया कि क्रीम की जांच में कथित तौर पर 12,500 पार्ट्स प्रति मिलियन पारा (मर्करी) पाया गया, जबकि इसकी सामान्य स्वीकार्य सीमा 1 पीपीएम से भी कम है। उन्होंने कहा कि जांच के नतीजों से पता चलता है कि पारे (मर्करी) वाले इस प्रोडक्ट के कारण ही किडनी की बीमारी हुई।
- **डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह लेकर ही करें स्किन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल-** नेफ्रोलॉजिस्ट गौरी एस. ने लोगों को ऐसी क्रीमों के विज्ञापनों से सावधान रहने की सलाह दी, जो गोरा करने या त्वचा के रंग में तुरंत सुधार लाने का दावा करती हैं। उन्होंने कहा कि जिन्हें त्वचा संबंधी समस्याएं हैं, उन्हें ऐसे उत्पादों पर भरोसा करने के बजाय किसी त्वचा विशेषज्ञ (डर्मेटोलॉजिस्ट) से सलाह लेनी चाहिए और सही इलाज कराना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

भारतीय सैनिक को लगे दुश्मन की गोली तभी मिलेगी पेंशन, ये जरूरी नहीं



नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय सेना से एक जवान से जुड़े पेंशन के मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सैनिक भूलवश दुश्मन की गोली लगे बिना भी घायल हो जाता है तो उसे वॉर इंजरी एलिमेंट के तहत पेंशन दी जाएगी। क्या भारतीय सेना के किसी भी जवान को पेंशन तभी मिलनी चाहिए, जब वह दुश्मन की गोली से घायल हो? ये सवाल इसलिए उठा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट में ऐसी घटना को लेकर केस चल रहा था, जिसमें सेना का एक जवान पेंशन की मांग को लेकर अड़ा हुआ था। वह भूलवश अपनी ही बंदूक से चली गोली से घायल हो गया था। इस घटना के बाद वह 40 फीसदी विकलांग हो गया, लेकिन उसे वॉर इंजरी एलिमेंट (युद्ध में लगी चोट) के तहत पेंशन का हकदार नहीं माना गया। जवान इस फैसले के विरोध में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया, जहां सर्वोच्च अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए उसे पेंशन देने का फैसला सुना दिया।

दुर्घटना से लगी चोट का मामला

फैसला सुनाते हुए दो जजों की बेंच ने स्पष्ट कहा कि ऐसे मामलों में सेना के जवानों को वउंडेड बैटल कैजुअल्टी (युद्ध में घायल) माना जाएगा और गंभीर रूप से घायल सैनिक पेंशन पाने का हकदार होगा। आदेश में दो स्थितियों पर विचार किया गया। दुर्घटना से गोली या किसी टुकड़े (स्प्लिंटर) से लगी चोट, या फिर अपने ही सैनिकों की गोलीबारी से लगी चोट। दोनों ही स्थितियों में, यह चोट दुश्मन या उग्रवादियों के खिलाफ अभियान चलाने के दौरान लगनी चाहिए। मौजूदा मामला पहले पहलू, यानी दुर्घटना से लगी चोट पर आधारित है।

पेंशन दी जानी चाहिए

युद्ध में लगी चोट के तहत पेंशन पाने के लिए सेना के जवानों का दुश्मन की गोली से घायल होना जरूरी नहीं है। अगर कोई सैनिक किसी ऑपरेशन के दौरान अपनी ही बंदूक से या अपने ही साथियों की गोलीबारी से घायल हो जाता है, तो भी उसे यह पेंशन दी जानी चाहिए।

मणिपुर में जहरीली शराब से 15 की मौत

600 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती; 2026 में 6 राज्यों में 120 से ज्यादा जानें गईं

इंफाल (एजेंसी)। *मणिपुर के चंदेल जिले में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया सूत्रों के मुताबिक, 600 से ज्यादा लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से 3 की हालत गंभीर है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले 2 से 3 दिनों में यह मामला सामने आया है। लोगों की तबीयत शराब पीने के बाद बिगड़ी। हालांकि, शराब कहां से लाई गई थी, इसकी*



पक्की जानकारी उनके पास नहीं है। साल 2026 में जहरीली शराब पीने से मध्यप्रदेश, गुजरात समेत 6 राज्यों में 120 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। मुख्यमंत्री युम्नाम खेमचंद सिंह ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की। शिजा अस्पताल के एमडी डॉ. चेतन हुंडोंगबाम के मुताबिक, अस्पताल के सभी बेड भर गए हैं।

शराब में मेथनॉल मिलाने का शक, 10 लोग गिरफ्तार- *पुलिस के मुताबिक, प्रभावित लोगों ने जो शराब पी थी, उसे मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू से खरीदा गया था। जांच में शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की आशंका है। इस मामले में अब तक करीब 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि चंदेल जिले में स्थानीय स्तर पर शराब बनाने की कोई जानकारी नहीं मिली है। ऐसे में आशंका है कि दूसरे इलाकों से शराब लाकर यहां बेची गई थी। पुलिस शराब की सप्लाई करने वालों की तलाश कर रही है।*

देश के कई राज्यों में अब ठंड और कोहरे का असर बढ़ने लगा

यूपी में घना कोहरा, माउंटआबू में तापमान जीरो डिग्री

नई दिल्ली/पटना/जयपुर/ लखनऊ/ भोपाल (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में अब ठंड और कोहरे का असर बढ़ने लगा है। यूपी के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट है। प्रयागराज, गोरखपुर समेत कई शहरों में घना कोहरा छाया।

- **चक्रवात अकवान से ओडिशा-बंगाल सहित 4 राज्यों में बारिश; दिल्ली में हवा खराब, एक्यूआई 369 पहुंचा**

राजस्थान में भी सर्दी बढ़ रही है। माउंट आबू में शनिवार को तापमान जीरो डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इस कारण ठिठुरन बढ़ गई है। सीकर में पारा 6.5 और जयपुर में 13.3 डिग्री रहा। हालांकि, दिन में गर्मी का असर बना हुआ है। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री दर्ज किया गया। चक्रवात अकवान के असर से बिहार, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में बारिश हो रही है। उधर दिल्ली में शनिवार सुबह हवा की गुणवत्ता यानी एक्यूआई 369 रिकॉर्ड की गई। यह गंभीर कैटेगरी में आती है।



मप्र पहाड़ी बर्फबारी की असर, ठंडक बढ़ी- वहीं पहाड़ों में बर्फबारी का असर अब मध्य प्रदेश में भी दिखाई दे रहा है। कई शहरों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हुई है।

बिहार में पीएम मोदी, गले मिलकर नीतीश कुमार ने किया स्वागत

- **वैशाली में 9.76 किमी लंबे 'नीतीश सेतु' का उद्घाटन किया**
- **34,470 करोड़ की 227 योजनाओं का शिलान्यास**

हाजीपुर/पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार दोपहर बिहार के वैशाली में गंगा पर बने कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पुल का उद्घाटन किया। ब्रिज का नाम बिहार के पूर्व सीएम और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार के नाम पर 'नीतीश सेतु' रखा गया है।

पीएम 21 विभागों की 227 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं की लागत 34,470 करोड़ की से ज्यादा है। पुल का नाम नीतीश कुमार के नाम पर रखने को लेकर विपक्ष लगातार सवाल उठा रही है। तेजस्वी यादव का कहना है कि पुल का नाम शहीद अक्षयवट राय के नाम पर होना चाहिए।



- ***इस पुल से युवाओं को पढ़ाई और बुजुर्गों को दवाई में आसानी*** *- फसल, दूध-दही को बड़े बाजार में पहुंचाना आसान हो जाएगा। युवाओं को पढ़ाई में और बुजुर्गों को दवाई में बहुत आसान हो जाएगी। आज औरंगाबाद चोरदाहा सिक्स लेन का उद्घाटन हुआ है। आपका प्यार मेरे सिर आंखों पर। मेरे पास कम समय इसलिए बात जल्दी पूरी करनी पड़ेगी। मैंने युवाओं को देखा तो वो तस्वीर मन को प्रसन्न करने वाला था। मेरे बिहार के नौजवानों को विकास की पूरी समझ है। इसीलिए उनमें इतना उत्साह मुझे नजर आ रहा है।*
- ***मेरे मित्र रामविलास जी की आत्मा भी हम पर फूलों की वर्षा करती होगी*** *- मेरे मित्र रामविलास जी की आत्मा भी हम पर फूलों की वर्षा करती होगी। पीएम मोदी ने दिवंगत रामविलास पासवान को मंच से दी श्रद्धांजलि। कहा- ये पुल उनके क्षेत्र के लोगों का सपना था।*

पीएम मोदी ने छठी मइया का नाम लेकर कही बड़ी बात

महिलाओं ने 36 घंटे का निर्जला व्रत करके परिवार समाज और जगत का कल्याण किया। छठी मइया के आशीर्वाद से ही हम आज यहां विकास का पर्व मना रहे।

50 साल पहले सेमीकंडक्टर कंपनी का विरोध हुआ: लाल झंडा दिखाया गया, फिर मैंने पहल शुरू की, देश में आज 12 प्लांट

पीएम मोदी ने शनिवार को आईआईटी खड़गपुर में कहा, 'भारत में 50 साल पहले एक कंपनी सेमीकंडक्टर बनाने आई थी, उसे लाल झंडा दिखाकर रोक दिया गया। सवाल उठे कि



इसकी क्या जरूरत है, यह देश भी बना रहा है वो देश भी बना रहा। हम बनाकर क्या हासिल कर लेंगे।' उन्होंने बताया, मैंने परवाह नहीं की। जब मैं आया तो खुद अफसरों के साथ बैठकर फाइलें तैयार करवाईं। आज चार सालों में ढेर सारी सेमीकंडक्टर कंपनियां आई हैं और प्रोडक्शन शुरू किया है। मोदी ने आईआईटी खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली यानी स्थापना के 75 साल पूरे होने के मौके पर 23 मिनट स्पीच दी।

अरुणाचल में अमित शाह का बड़ा ऐलान

नई न्याय संहिता ला रहे हैं, शीघ्र ही मिलेगा न्याय

ईटानगर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर के बांदेरदेवा पहुंचे। यहां उन्होंने पुलिस प्रशिक्षण अकादमी के परेड ग्राउंड में 'प्रेसिडेंट्स पुलिस कलर' प्रदान करने के समारोह में हिस्सा लिया। अरुणाचल प्रदेश पुलिस को लोगों और राष्ट्र के प्रति उनकी समर्पित सेवा के सम्मान में प्रतिष्ठित 'प्रेसिडेंट्स कलर' से नवाजा गया। अमित शाह ने कहा कि यह भारत में किसी पुलिस बल को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है, जो उनकी विशिष्ट सेवाओं और उपलब्धियों के लिए प्रदान किया जाता है। उन्होंने इसके लिए सभी पुलिसवालों को बधाई दी। अमित शाह ने सियांग प्रोजेक्ट, आतंकवाद और नशा मुक्त भारत की भी बात की।



देश को नशामुक्त बनाने पर काम कर रहे हैं- हम देश को नशामुक्त बनाने पर काम कर रहे हैं। नशा मुक्त अरुणाचल के लिए एक हाई लेवल मीटिंग करने जा रहा हूं।

- **2027 के बाद न्याय के लिए नहीं करना होगा लंबा इंतजार, 3 तीन होगा निपटारा-** पीएम मोदी ने कहा कि जब संसद में विपक्ष पूछता है कि नॉर्थ ईस्ट के लिए पीएम मोदी ने क्या किया तो मुझे हंसी आती है। देश के लिए पीएम मोदी की सरकार ने जितना किया है, वह राज्य के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। अमित शाह ने कहा कि अंग्रेजों के बनाए कानून को हटाकर हमने भारत का कानून लागू किए है। नई न्याय संहिता ला रहे हैं। ऐसा सिस्टम बन रहा है किमें 2027 के बाद जो भी एफआईआर दर्ज होगी, उसका सुप्रीम कोर्ट तक फैसला महज तीन साल में आ जाएगा। लोगों को अब न्याय के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। यह बहुत बड़ी शुरुआत पीएम मोदी के नेतृत्व में होगी।

मुंबई-हैदराबाद समेत 3 शहरों के मेटा ऑफिस में तोड़फोड़-हंगामा, 4 पर एफआईआर

यूथ कांग्रेस बोली- भाजपा के कहने पर नेताओं के अकाउंट सस्पेंड किए

मुंबई/हैदराबाद/मुंबई (एजेंसी)। हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा के ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन और तोड़फोड़ के मामले में इंडियन यूथ कांग्रेस के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। मुंबई पुलिस ने शनिवार को यूथ कांग्रेस के चार नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। यूथ कांग्रेस ने विपक्षी नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट सस्पेंड किए जाने के खिलाफ तीन शहरों में मेटा ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन किया था।

हैदराबाद में प्रदर्शनकारी मेटा ऑफिस के अंदर घुस गए और वहां तोड़फोड़ की। मुंबई में प्रदर्शन के दौरान बिल्डिंग के शीशे पर 'आरएसएस का बेटा मेटा' लिखा गया। वहीं, गुरुग्राम में प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस के मेन गेट पर ताला लगा दिया। यूथ कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर मेटा ने 19 नवंबर को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम अकाउंट सस्पेंड कर दिए थे। संगठन ने मेटा को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। उसका कहना है कि अगर इस दौरान विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के अकाउंट पर लगी पाबंदियां नहीं हटाई गईं तो देशभर में मेटा ऑफिसों के बाहर प्रदर्शन किए जाएंगे।

पंचतत्व में विलीन हुईं सीएम योगी की मां सावित्री देवी

- *भीगी आंखों से दी हरिद्वार के चंडी घाट पर अंतिम विदाई*



हरिद्वार (एजेंसी)। सीएम योगी की मां सावित्री देवी का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गया है। हरिद्वार के चंडी घाट में पूरी रस्मों के साथ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को पूरा किया गया। इसके बाद मुखाग्नि दी गई। इस दौरान सीएम योगी कई बार भावुक हो गए और आंखों से आंसू को नहीं रोक पाए। हरिद्वार के चंडी घाट में उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, योग गुरू बाबा रामदेव, गोरखपुर सांसद रवि किशन समेत कई संत और हस्तियां मौजूद रहे।

ट्रम्प बोले-भारत में ब्याज दरें कम, इसलिए 7 प्रतिशत विकास दर



वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत की 7 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ का उदाहरण देकर अपने देश के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि भारत में ब्याज दरें कम हैं, इसलिए उसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। अगर अमेरिका में भी ब्याज दरें कम रखी जाएं तो वहां की ग्रोथ 15 से 20 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि जब भी अमेरिका के आर्थिक आंकड़े अच्छे आते हैं तो फेडरल रिजर्व ब्याज दरें बढ़ा देता है। जबकि ऐसे समय में दरें कम होनी चाहिए, ताकि कारोबार और निवेश को बढ़ावा मिले।

दिल्ली पुलिस ने पंजाब में टिंडर-आधारित 6.55 लाख की साइबर धोखाधड़ी के मास्टरमाइंड को किया गिरफ्तार



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बताया कि द्वारका जिले के साइबर पुलिस स्टेशन ने पंजाब के फाजिल्का जिले के अबोहर से एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो टिंडर के जरिए हुए 6.55 लाख रुपये के ऑनलाइन फ्रॉड मामले का मास्टरमाइंड था। आरोपी ने टिंडर डेटिंग ऐप के जरिए एक महिला से दोस्ती की, ऑनलाइन बातचीत से उसका भरोसा जीता और फिर फर्जी ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के जरिए उससे लगभग 6.55 लाख रुपये की ठगी की। आरोपी की पहचान पंजाब के अबोहर स्थित सिद्धू नगर के रहने वाले 30 वर्षीय विपुल पवार के रूप में हुई है। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किए गए दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, यह गिरफ्तारी द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कुशल पाल सिंह और अतिरिक्त डीसीपी-1 विकास मीणा के निर्देश पर की गई है। एक महिला की शिकायत पर 20 मार्च को द्वारका के साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि एक साइबर जालसाज ने उससे लगभग 6.55 लाख रुपए की ठगी की है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी ने टिंडर ऐप के जरिए महिला से संपर्क किया और धीरे-धीरे उसका भरोसा जीत लिया। इसके बाद उसने महिला को फर्जी तरीके से पैसे ट्रांसफर करने के लिए राजी कर लिया, जिससे उसे आर्थिक नुकसान हुआ। पुलिस ने बताया कि आरोपी का काम करने का तरीका यह था कि वह डेटिंग ऐप के जरिए महिलाओं से दोस्ती करता था और ऑनलाइन बातचीत से उनका विश्वास जीत लेता था। पीड़ितों के साथ अच्छी जान-पहचान होने के बाद, वह उन्हें बहला-फुसलाकर फर्जी ट्रांजेक्शन के जरिए पैसे ट्रांसफर करवा लेता था।

दिल्ली के विकासपुरी में करंट लगने से मासूम बच्चे की मौत, मां ने बिजली विभाग पर लगाया लापरवाही आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के विकासपुरी इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां खेलते समय एक 10 साल के मासूम बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। बच्चा खेलते-खेलते ट्रांसफॉर्मर के अंदर चला गया और करंट की चपेट में आ गया। इस हादसे के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चे की मां ने बताया कि घटना के समय वहां मौजूद कॉलोनी के लोग खड़े थे और वीडियो बना रहे थे। लोग कह रहे थे कि झुग्गी के बच्चे को करंट लग गया है। उन्होंने कहा कि जितनी देर में लोग वीडियो बना रहे थे, उतनी देर में वे बिजली विभाग को फोन करके लाइट कटवा सकते थे और उनके बेटे को बचा सकते थे। लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। मां ने आरोप लगाया कि वहां बैठे गार्ड ने भी बच्चे को बचाने का कोई प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि घटना शुक्रवार शाम करीब 7 बजे की है। बेटा दुकान से बिस्कुट लेकर खेलने के लिए गया था और फिर यह हादसा हो गया। परिजनों का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर के आगे सिर्फ एक पर्दा लगा हुआ है, वहां कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। उन्होंने बिजली विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही ने उनके बेटे की जान ले ली। वहीं, पड़ोसी महिला राजकुमारी ने कहा कि बच्चे दौड़ते हुए आए और बोले कि बच्चा बिजली में चिपक गया है। यह सुनते ही वह भागते-भागते मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि जब वह अंदर गईं तो देखा कि ट्रांसफॉर्मर का बॉक्स ठीक से ढका हुआ नहीं था। उस पर ताला भी बंद नहीं था, सिर्फ एक चादर से उसे ढक दिया गया था। राजकुमारी ने कहा कि बच्चे आंख-मिचौली खेल रहे थे। इसी दौरान बच्चा ट्रांसफॉर्मर के अंदर घुस गया। उसका पूरा शरीर अंदर था और सिर्फ पैर बाहर दिखाई दे रहे थे। जब उन्होंने परिजनों को सूचना दी तो बच्चे की मां, पिता और दादी भागते हुए मौके पर पहुंचे। आसपास के लड़के भी वहां इकट्ठा हो गए। इसके बाद पुलिस और बिजली विभाग को फोन किया गया।



15 दिन की अनुमति पर भारत आए, डेढ़ महीने से ज्यादा रुके ; तीन बांग्लादेशी पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की फॉरेनर सेल और स्पेशल स्टाफ ने वीजा नियमों का उल्लंघन कर तय समय से अधिक रुकने के आरोप में तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पहाड़गंज के एक होटल से पकड़ा है। तीनों 6 अक्टूबर को डबल एंट्री वीजा पर भारत आए थे। उनके वीजा की वैधता 14 दिसंबर तक थी, लेकिन भारत में ठहरने की अनुमति केवल 15 दिन की थी। इसके बावजूद तीनों तय अवधि से अधिक समय तक यहां रुके हुए थे। पुलिस ने तीनों को पकड़कर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सेंट्रल जिले के होटलों और गेस्ट हाउसों में विदेशी नागरिकों के वीजा दस्तावेजों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत फॉरेनर सेल और स्पेशल स्टाफ की टीम पहाड़गंज स्थित होटल सुदर्शन पैलेस, शोरा कोठी पहुंची। वहां ठहरे तीन बांग्लादेशी नागरिकों के पासपोर्ट और वीजा की जांच की गई तो उनके वीजा नियमों के उल्लंघन का पता चला। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपियों की पहचान साला उद्दीन (53), शौकत अली (40) और कमरुल हसन (25) के रूप में हुई है। तीनों बांग्लादेश के नोआखाली जिले के सोनाइमुड़ी के रहने वाले हैं। जांच में सामने आया कि तीनों 6 अक्टूबर को भारत आए थे। उनके पास डबल एंट्री वीजा था, जो 14 दिसंबर 2026 तक वैध था। हालांकि, इस वीजा पर भारत में रहने की अधिकतम अवधि 15 दिन ही निर्धारित थी। इसके बाद भी वे बिना अनुमति भारत में रह रहे थे। पुलिस ने जांच के दौरान कागजात सही नहीं मिलने पर तीनों को हिरासत में लिया और लोकनायक अस्पताल में मेडिकल जांच कराई। इसके बाद उन्हें फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के सामने पेश किया गया। एफआरआरओ ने तीनों के खिलाफ प्रतिबंध आदेश जारी किए। इसके बाद उन्हें आगे की कार्रवाई और बांग्लादेश डिपोर्ट किए जाने की प्रक्रिया पूरी होने तक दिल्ली के सेवा धाम स्थित डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान होटलों और गेस्ट हाउसों में ठहरे विदेशी नागरिकों के दस्तावेजों की जांच जारी रहेगी, ताकि वीजा और इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

रोहित गोदारा गैंग की रंगदारी साजिश का पर्दाफाश, तीन शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कारोबारी से रंगदारी वसूलने के लिए पीतमपुरा में उसके घर के बाहर ताबड़तोड़ गोलियां चलाने वाले रोहित गोदारा गैंग के तीन आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान निखिल कुमार (24), शुभम (23) और मोक्ष (24) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, विदेश में बैठे गैंग के गुर्गे विवेक ने स्थानीय नेटवर्क के जरिये फायरिंग की साजिश को अंजाम दिलाया था। आरोपियों के कब्जे से दो सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल, एक देसी पिस्टल और 12 कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल बाइक भी बरामद कर ली है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, 28 अक्तूबर की सुबह करीब पांच बजे बाइक सवार दो बदमाशों ने पीतमपुरा निवासी कारोबारी साहिल जैन उर्फ गूगल के घर के बाहर गोलियां चलाई थीं। हमलावरों ने उनकी कार को भी निशाना बनाया था। मामले में सुभाष प्लेस थाने में रंगदारी और आर्म्स एक्ट समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान विदेश में बैठे गैंगस्टर रोहित गोदारा का नाम सामने आया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। एआरएससी की टीम ने आरोपियों की तलाश में लगातार पीछा किया। 500 किलोमीटर से अधिक दूरी तक सुराग जुटाने के बाद पुलिस ने तीनों को रोहिणी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी दिल्ली में एक और बड़ी वारदात को अंजाम देने के इरादे से आए थे।

दिल्ली की छात्राओं को बड़ी सौगात: सीएम रेखा गुप्ता ने शुरू की दो नई 'यूनिवर्सिटी लेडीज स्पेशल' बसें

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए कॉलेज का सफर अब और भी सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक होने जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कमला नेहरू कॉलेज (KNC) के 'कॉलेज डे' समारोह में शिरकत करते हुए छात्राओं को बड़ी सौगात दी और दो नई 'यूनिवर्सिटी लेडीज स्पेशल' बस सेवाओं का शुभारंभ किया।
इस पहल का मुख्य उद्देश्य दिल्ली विश्वविद्यालय (खासकर साउथ कैंपस) की छात्राओं को सुरक्षित और डायरेक्ट पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा मुहैया कराना है, ताकि उन्हें सफर में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

लेडीज स्पेशल बसों के नए रूट

छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इन बसों को दो प्रमुख मेट्रो स्टेशनों से सीधे कॉलेजों तक जोड़ा गया है।
पहला रूट: लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन से गार्गी कॉलेज तक।
दूसरा रूट: ग्रीन पार्क मेट्रो स्टेशन से कमला नेहरू कॉलेज तक।

'वंदे मातरम्' अकादमिक भवन का उद्घाटन

इस खास अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सिर्फ बस सेवाओं को ही हरी झंडी नहीं दिखाई, बल्कि कमला नेहरू कॉलेज परिसर में नवनिर्मित 'वंदे मातरम्' अकादमिक भवन का भी उद्घाटन किया। यह नया ब्लॉक छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक माहौल और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।
कार्यक्रम में मौजूद रहे कई गणमान्य लोग
कमला नेहरू कॉलेज के इस समारोह में राजनीति और शिक्षा जगत की कई बड़ी हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ विधायक अनिल शर्मा और विधायक नीरज बसोया शामिल हुए। इसके अलावा, शिक्षा क्षेत्र से गुजरात सेंट्रल यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. विजेता सिंह और दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी ने भी अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराई।



देवोत्थान एकादशी पर दो जरूरतमंद कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न

नई दिल्ली, एजेंसी।
देवोत्थान एकादशी के पावन अवसर पर शाहदरा के गोरख पार्क स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में दो जरूरतमंद परिवारों की कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। इस अवसर पर स्वामी राजेश्वरानंद राजगुरु जी महाराज ने कन्यादान कर नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया।
सतगुरु राजदरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि तुलसी विवाह के अवसर पर आयोजित समारोह में सपना-उदित और दुर्गा-आशीष विवाह बंधन में बंधे। वैदिक मंत्रोच्चार और सनातन परंपराओं के अनुसार पंडित रोहित कौशिक ने विवाह संपन्न कराया। दोनों बारातों का मंदिर परिसर में स्वागत किया



गया तथा वर-वधू ने एक-दूसरे को जयमाला पहनाई।
विदाई के समय नवदंपतियों को कपड़े, बिस्तर, आभूषण, घड़ी, घरेलू उपकरण और दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं उपहार स्वरूप भेंट की गईं। स्थानीय पार्षद प्रियंका सक्सेना और प्रेम बाबू सक्सेना ने कन्यादान किया। समारोह में दोनों परिवारों के अतिथियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई।
इस अवसर पर स्वामी राजेश्वरानंद राजगुरु जी महाराज ने कहा कि हमारे तीज-त्योहारों पर पूजा-पाठ और शुभ कार्य ऐसे होने चाहिए, जिनसे स्वयं को आनंद मिलने के साथ किसी अभावग्रस्त परिवार की सहायता भी हो सके। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद कन्याओं का विवाह कराना तुलसी-शालिग्राम विवाह के अवसर पर सच्ची सेवा का अनुभव कराता है। उन्होंने आर्थिक रूप से असमर्थ परिवारों से अपनी बेटियों के विवाह के लिए वर्षभर संपर्क करने और सेवा का अवसर देने का आग्रह किया। कार्यक्रम में मुकेश गौड़, यशपाल भारद्वाज, विश्वास शुक्ल, मोहिंदर शर्मा और वीके शर्मा सहित अनेक सेवादारों ने सहयोग किया।

पुल मिठाई-पीली कोठी क्षेत्र में एमसीडी का अभियान, सड़क और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के पुरानी दिल्ली जोन ने शनिवार को पुल मिठाई-पीली कोठी क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए वार्ड संख्या 72, 73 और 74 में अभियान चलाया। यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस के उत्तरी जिले के डीसीपी कार्यालय की टीम के समन्वय से की गई, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में अस्थायी एवं स्थायी अतिक्रमण हटाकर सार्वजनिक मार्गों को बाधामुक्त करना तथा यातायात और पैदल यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाना है।
इस अभियान को एमसीडी ने आज सुबह 8 बजे शुरू किया। इसमें 4 ट्रक, 3 जेसीबी मशीनें, लाइसेंसिंग विभाग एवं स्वच्छता विभाग की टीमें तथा दिल्ली पुलिस का अतिरिक्त बल तैनात किया गया। अभियान के दौरान संबंधित क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।
एमसीडी ने स्पष्ट किया है कि पुल मिठाई रेलवे पुल के आसपास का क्षेत्र निर्धारित रूप से नॉन-स्क्रूटिंग जोन है। इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की वेंडिंग गतिविधि की अनुमति नहीं है। एमसीडी ने सभी सर्टिफिकेट ऑफ वेंडिंग धारकों को सूचित किया गया है कि वे इस निर्धारित क्षेत्र में अपना कारोबार न करें और नियमों का पालन सुनिश्चित करें।
एमसीडी ने स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाने की यह कार्रवाई



केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि क्षेत्र को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी और प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एमसीडी ने बताया कि यह अभियान कल भी जारी रखा जाएगा, ताकि पूरे क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया जा सके।

मतदाता सूची से नाम काटने और मुख्य चुनाव अधिकारी के तबादले पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से नाम हटाने और मुख्य चुनाव अधिकारी के तबादले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा और दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं के नाम हटाए गए और मुस्तफाबाद क्षेत्र में फर्जी प्रपत्र भरकर जीवित लोगों को मृत घोषित करने की शिकायतें सामने आई हैं।
देवेन्द्र यादव ने दावा किया कि दिल्ली में 47.56 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के कुछ बूथ स्तरीय अभिकर्ताओं ने फर्जी प्रपत्र भरकर मतदाताओं के नाम कटवाने की कोशिश की। उन्होंने सवाल उठाया कि नाम हटाने से पहले संबंधित अधिकारियों ने मतदाताओं की वास्तविक स्थिति का सत्यापन क्यों नहीं किया।
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्य चुनाव अधिकारी अशोक कुमार के तबादले पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब हटाए गए वैध मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है, तब अधिकारी का स्थानांतरण संदेह पैदा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पुनरीक्षण प्रक्रिया की पारदर्शिता और जवाबदेही प्रभावित हो सकती है।
उन्होंने कहा कि दिल्ली की लगभग 1.45 करोड़ मतदाता आबादी में से हटाए गए नामों को अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत और दोहरे पंजीकरण जैसी श्रेणियों में रखा गया है। ऐसे समय में मुख्य चुनाव अधिकारी का तबादला प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े करता है
देवेन्द्र यादव ने भाजपा और दिल्ली सरकार से पूरे मामले में जवाबदेही तय करने तथा मतदाता सूची से हटाए गए पात्र नागरिकों के नाम पुनः जोड़ने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मामले को लेकर चुनाव आयोग के समक्ष अपनी आपत्तियां उठाती रहेगी।

ड्रोन के जरिए पानी के छिड़काव का प्रायोगिक प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और धूल से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए पूर्वी जिले के नोडल सचिव वीके बिधूड़ी ने शनिवार को अक्षरधाम क्षेत्र का दौरा कर वहां प्रदूषण नियंत्रण के लिए किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। यह क्षेत्र कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज प्रदूषण हॉटस्पॉट का हिस्सा है। निरीक्षण के दौरान अक्षरधाम के धोबीघाट के पास रेलवे के निर्माण कार्य का एक लंबा हिस्सा धूल उड़ने की समस्या के लिहाज से संवेदनशील पाया गया। इस समस्या के समाधान के लिए आज यहां ड्रोन के माध्यम से पानी के छिड़काव का प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया। इस तकनीक के तहत ड्रोन जमीन पर रखे पानी के टैंक से पानी लेकर उड़ान भरता है और टैंक के दोनों ओर लगभग सौ-सौ मीटर तक पानी का छिड़काव कर सकता है। इससे रेलवे निर्माण स्थल के आसपास के बड़े क्षेत्र में पानी का छिड़काव कर उड़ती धूल को कम करने में मदद मिल सकती है। यह पहल प्रदूषण नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इसके माध्यम से धूल प्रभावित क्षेत्रों में कम समय में अधिक प्रभावी ढंग से पानी का छिड़काव करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। विभिन्न विभागों के आपसी सहयोग से ऐसे नए उपायों को अपनाकर क्षेत्र में वायु प्रदूषण कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान एमसीडी, राजस्व विभाग, दिल्ली पुलिस, पीडब्ल्यूडी, डीएमआरसी, रेलवे सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे। अधिकारियों ने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर तालमेल और समय पर आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया।

दिल्ली में वीएचपी के 'हिंदू हितचिंतक अभियान' का शुभारंभ, एक करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य : सुधांशु महाराज



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने 'हिंदू हितचिंतक अभियान' की शुरुआत की। संगठन ने इस बार एक करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार और आध्यात्मिक गुरु सुधांशु महाराज मौजूद रहे। उन्हीं की उपस्थिति में इस अभियान का शुभारंभ किया गया। आध्यात्मिक गुरु सुधांशु महाराज ने इस अवसर पर कहा कि पूरे समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता की भावना के साथ एक करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि आज सभी हितचिंतकों को एकजुट करने और सद्भावना के साथ एक झंडे तले मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया है। इसमें तन, मन, संसाधन और भावनाएं समर्पित की जाएंगी। इस संकल्प के लिए उन्होंने आलोक कुमार को हार्दिक बधाई दी। वहीं, वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष अशोक सिंघल का जन्मशताब्दी वर्ष है। हिंदू हित-चिंतक लोग हैं। हम हिंदू, विश्व हिंदू परिषद और हिंदू काम के भी हितचिंतक हैं। इसी सोच के साथ हम एक करोड़ लोगों के पास जाएंगे। आलोक कुमार ने कहा कि कार्यकर्ता लोगों से शुभकामनाएं, आशीर्वाद और सहयोग मांगेंगे। यह सहयोग केवल तन-मन का नहीं, बल्कि धन का भी होगा। अभियान के तहत 20 रुपये का समर्पण प्राप्त किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस राशि का उपयोग हिंदू संगठन के लिए, हिंदू की शक्ति के लिए, हिंदू की संपन्नता के लिए, समाज की एकात्मता के लिए, गाय, संस्कृत और वेद के लिए किया जाएगा। आलोक कुमार ने अभियान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद का काम हिंदुओं का काम है। इसलिए हिंदुओं के पास जाना, तीन साल में एक बार दरवाजा खटखटाना, यह महत्वपूर्ण काम है। इससे सारे समाज का आशीर्वाद जुड़ता है और सारे समाज की भावना जुड़ती है।

उत्तराखंड के अधिकारों को लेकर जारी हुआ श्वेत पत्र, केंद्र से हस्तक्षेप की मांग



नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड राज्य गठन के 26 वर्ष बाद भी राज्य और उसके लोगों को अपेक्षित अधिकार नहीं मिलने का मुद्दा एक बार फिर उठाया गया है। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों, पूर्व सैन्य अधिकारियों और समाज के वरिष्ठजनों ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में श्वेत पत्र जारी कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्र सरकार से राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की। श्वेत पत्र प्रस्तुत करते हुए वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी जगदीश ममगाईं ने कहा कि राज्य गठन के बाद भी उत्तराखंड की परिसंपत्तियों, जमीन, जल संसाधनों और राजस्व पर पूरा अधिकार नहीं मिल पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावी भू-कानून के अभाव में कृषि भूमि का हस्तांतरण हुआ और विभिन्न परियोजनाओं के नाम पर किसानों की जमीन दीर्घकालीन पट्टे पर दी जा रही है। उन्होंने सरकारी भर्तियों में अनियमितताओं, परीक्षा प्रश्नपत्र लीक, स्थानीय युवाओं की उपेक्षा और बेरोजगारी का मुद्दा भी उठाया। साथ ही वन कानूनों के प्रावधानों, पर्यावरणीय नुकसान और हिमालयी क्षेत्र में अनियंत्रित निर्माण गतिविधियों पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे राज्य की प्राकृतिक संपदा और जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य गठन आंदोलनकारी संगठनों की समन्वय समिति के संयोजक देव सिंह रावत ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों ने उत्तराखंड के स्वाभिमान और अधिकारों से जुड़े सवालों को केंद्र सरकार तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह श्वेत पत्र जारी किया है। उन्होंने खटीमा, मसूरी और मुजफ्फरनगर कांड के पीड़ितों को न्याय दिलाने में विफलता तथा आंदोलनकारियों की अपेक्षाओं की अनदेखी का मुद्दा भी उठाया। इस अवसर पर उत्तराखंड क्रांति दल के उपाध्यक्ष प्रताप सिंह शाही, विजय सत्ती और अनिल पंत सहित कई वरिष्ठ आंदोलनकारी नेताओं ने राज्य की परिसंपत्तियों, रोजगार, भू-कानून और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने केंद्र सरकार से श्वेत पत्र में उठाए गए मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर उत्तराखंड के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

दिल्ली के वजीरपुर में एक व्यक्ति की चाकू से गोदकर हत्या, हत्यारों की तलाश में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली में अशोक विहार थाना क्षेत्र के वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में एक 45 वर्षीय व्यक्ति की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान जगदीश (45 वर्ष) निवासी एसएस नगर वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र के रूप में हुई है। उसके गले और शरीर पर चाकू के कई निशान मिले हैं। पुलिस के अनुसार, 20 नवंबर की रात करीब 10:15 बजे सूचना मिली कि फैक्ट्री नंबर ए-134 के सामने एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा है।

तुलसी विवाह प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देता है: श्याम सुंदर अग्रवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
पूर्व महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा कि तुलसी विवाह केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण संरक्षण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का पर्व भी है। उन्होंने लोगों से प्रत्येक परिवार में तुलसी का पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की।
श्याम सुंदर अग्रवाल ने तुलसी के धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में तुलसी को मां के समान पूजनीय स्थान प्राप्त है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु ने तुलसी को वरदान दिया था कि उनकी पूजा तुलसी दल के बिना अधूरी मानी जाएगी। इसी परंपरा के तहत कार्तिक मास में तुलसी और शालिग्राम विवाह का आयोजन किया जाता है।
उन्होंने कहा कि मान्यता के अनुसार तुलसी विवाह संपन्न कराने से कन्यादान के समान पुण्य प्राप्त होता है। यह पर्व श्रद्धा, समर्पण, त्याग और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देता है। धार्मिक आयोजनों को सामाजिक सरोकारों और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना आज के समय की आवश्यकता है।
इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विपिन जैन, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष दिनेश बघेल, संस्था अध्यक्ष गौरव जैन, नरेश चंद जैन, सचिव रुचि जैन, मनोज कंसल, नितिन जैन, अशोक आहूजा, मोहित अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, अशोक सरीन, यमुनापार जैन समाज के प्रधान विराग जैन, अमित वर्मा, संजय गुप्ता, अजय शर्मा और केके शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।
कार्यक्रम में लोगों से अपने घरों में तुलसी के पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के साथ आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया।



हर वार्ड में समग्र विकास और बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा संकल्प

जनता के सहयोग से स्वच्छ-सुंदर बैतूल के संकल्प को मिलेगी गति : हेमंत खण्डेलवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को बैतूल के अर्जुन वार्ड खंजनपुर स्थित सिल्वर लॉन, मोती वार्ड स्थित रॉय साहब का बगीचा एवं टिकारी स्थित मेघनाथ चौक में वार्ड स्तरीय क्लस्टर बैठक को संबोधित कर 9 करोड़ 88 लाख से अधिक की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन करते हुए कहा कि वार्डों की जरूरतों के अनुरूप विकास की कार्ययोजना बनेगी। जनसंवाद से बैतूल के विकास की प्राथमिकताएं तय होंगी। हर वार्ड में समग्र विकास और बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा संकल्प है। राय साहब के बगीचे का कायाकल्प करने के साथ 28 दुकानों का निर्माण होगा। बैतूल शहर में राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं विकसित की जाएंगी। जनता के सहयोग से स्वच्छ-सुंदर बैतूल के संकल्प को गति मिलेगी। खंजनपुर स्थित सिल्वर लॉन में आयोजित क्लस्टर बैठक में सुभाष, अर्जुन, दुर्गा, मालवीय, शिवाजी एवं गांधी वार्ड के नागरिकों से संवाद किया। इन छह वार्डों में 5 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत 31 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। बैठक में क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं, नागरिकों की समस्याओं और विकास से जुड़ी प्राथमिकताओं पर सुझाव लिए गए। मोती वार्ड स्थित रॉय साहब का बगीचा में आयोजित बैठक में तिलक, आजाद, आर्यपुरा, मोती, किदवई एवं गौठाना वार्ड के नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के साथ नगर विकास के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इन वार्डों में 1 करोड़ 63 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत 14 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। टिकारी स्थित मेघनाथ में सवा तीन करोड़ के 27 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। बैठकों को केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके ने भी संबोधित किया। टिकारी स्थित मेघनाथ में सवा तीन करोड़ के 27 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। भाजपा के प्रदेश



अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि नगर का विकास केवल सड़कों और भवनों के निर्माण तक सीमित नहीं है। नागरिकों को स्वच्छ वातावरण, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विकास योजनाएं तभी सार्थक होंगी, जब वे वार्डों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप तैयार हों और उनका लाभ सीधे आम नागरिकों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि बैतूल को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित नगर बनाने के लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है। प्रत्येक वार्ड में ऐसी सुविधाओं का विस्तार होना चाहिए, जिससे नागरिकों को रोजमर्रा के कार्यों में सहूलियत मिले। इसके लिए स्थानीय नागरिकों के सुझावों और आवश्यकताओं को विकास कार्यों की योजना बनाते समय प्राथमिकता दी जानी चाहिए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके सामूहिक प्रयास के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश बीमारू राज्य की पहचान से निकलकर स्वर्णिम मध्यप्रदेश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बैतूल नगर और जिला निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने धार्मिक एवं आध्यात्मिक आस्था के प्रमुख केंद्र दादा धूनी धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 20 लाख रुपये की लागत से भक्त निवास निर्माण कराने की घोषणा करते हुए कहा कि इस निर्माण के पूर्ण होने से धाम में आने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि बैतूल में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए व्यापक खेल अधोसंरचना विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।



बैठक में प्रबुद्धजनो से किया संवाद

अंतरराष्ट्रीय कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम - रविन्द्र यति

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी जिला भोपाल द्वारा आगामी 26 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित होने वाले संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद एवं विचार-विमर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक को भाजपा के प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह राजपूत ने भी संबोधित किया। बैठक को भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति ने संबोधित करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा एवं तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने उपस्थित प्रबुद्धजनों से कार्यक्रम को लेकर सुझाव आमंत्रित किए तथा प्राप्त सुझावों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर संचालन समिति के संयोजक भाजपा प्रदेश मंत्री राजेंद्र सिंह राजपूत, सह-संयोजक महापौर मती मालती राय, वरिष्ठ समाजसेवी ललित जैन, ललित तातेड़, महामंत्री मुकेश राय, जिला महामंत्री चेतन भार्गव, प्रदीप शेखावत सहित कार्यक्रम टोली के सदस्यगण एवं शहर के सम्माननीय प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। बैठक में संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने, अधिकाधिक प्रबुद्धजनों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा आयोजन को गरिमामय स्वरूप प्रदान करने के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए।

खेत से बाजार तक, अब महिलाएं बनीं कंपनी की शेयर धारक

350 रुपये से आत्मनिर्भरता तक की कहानी - जानकी की

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मैं जानकी हूं। यह आत्मनिर्भरता की मेरी अपनी कहानी है। कभी मेरे पास नई जिंदगी शुरू करने के लिए महज 350 रुपये थे, लेकिन सपने बड़े थे और इरादे मजबूत। साइकिल का पंचर बनाने से लेकर महिला किसान बनने तक का मेरा सफर संघर्षों से भरा रहा। आज मैं न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हूं, बल्कि अपने गांव की अनेक महिलाओं को स्वावलंबन की राह पर आगे बढ़ाने में भी भागीदार हूं। यह कहानी सिर्फ मेरी नहीं, उन ग्रामीण महिलाओं की भी है, जिन्होंने सामाजिक बंदिशों को पीछे छोड़कर अपनी मेहनत, सामूहिक शक्ति और आत्मविश्वास से बदलाव की नई इबारत लिखी है। शहडोल जिले के विशनपुरवा गांव में रहने वाली जानकी की शादी महज 16 वर्ष की उम्र में हो गई थी। उस समय वह आठवीं कक्षा तक पढ़ी थीं। ससुराल में 12 सदस्यों का परिवार था। थोड़ी जमीन थी, लेकिन सिंचाई के साधन नहीं होने से खेती पूरी तरह बारिश पर निर्भर थी। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद जानकी ने अपनी पढ़ाई जारी रखी और ओपन स्कूल से बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्ष 2009 में परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्होंने साइकिल का पंचर बनाने का काम भी सीखा। वर्ष 2012 में जानकी ने आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया। उस दौर में गांव में घूंघट प्रथा और सामाजिक बंदिशों के चलते महिलाओं का घर से बाहर



निकलना और आर्थिक निर्णय लेना सहज नहीं था। परिवार और समाज के विरोध के बीच जानकी और उनके पति को परिवार से अलग होना पड़ा। उस वक्त उनके पास महज 350 रुपये थे। दोनों ने मनरेगा में मजदूरी कर अपनी नई जिंदगी की शुरुआत की। समूह के माध्यम से छोटी-छोटी बचत करते हुए जानकी ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए। वर्ष 2017 में जानकी के जीवन में बड़ा बदलाव आया। स्व-सहायता समूह के माध्यम से बैंक ऋण लेकर उन्होंने घर में आटा चक्की लगाई और किराने की दुकान शुरू की। नियमित आमदनी होने से परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरी और उनका आत्मविश्वास बढ़ा। अपनी सफलता को अन्य महिलाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से उन्होंने तीन स्व-सहायता समूहों की करीब 80 महिलाओं के बैंक खाते खुलवाए। इनमें कई महिलाएं ऐसी थीं, जिन्होंने जिंदगी में पहली बार अपने नाम की बैंक पासबुक देखी और अपने पैसों का प्रबंधन स्वयं करना शुरू किया। वर्ष 2017 से 2026 के बीच इन समूहों ने बैंकों से कुल 18 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया और समय पर उसका भुगतान भी किया। वर्ष 2024 में संकुल स्तरीय संघ (सीएलएफ) के माध्यम से जानकी और गांव की अन्य महिला किसान स्वयंसेवी संस्था प्रदान से जुड़ीं। संस्था के सहयोग से महिलाओं ने आधुनिक कृषि तकनीक और प्राकृतिक खेती के तौर-तरीके सीखे। वर्ष 2025 में गांव में सोलर लिफ्ट सिंचाई प्रणाली स्थापित की गई, जिससे 13 महिला किसानों की 27 एकड़ कृषि भूमि तक सिंचाई की सुविधा पहुंची। बारिश पर निर्भर रहने वाली खेती को पानी का नया स्रोत मिला और महिलाओं के लिए कृषि आय बढ़ाने की संभावनाएं बनीं। सामूहिक प्रयासों से गांव में 58 महिलाओं के घरों में पोषण बाड़ियां विकसित की गईं, 82 परिवारों को बकरी पालन से जोड़ा गया तथा 75 किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने में सहयोग दिया गया। इससे ग्रामीण परिवारों के लिए आजीविका के नए अवसर सृजित हुए और खेती की लागत कम करने की दिशा में सार्थक पहल हुई। महिला किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए 37 महिलाओं का उत्पादक समूह गठित किया गया, जिसे सोन महिला किसान एफपीओ से जोड़ा गया।

विगत एक सप्ताह में 09 बिछड़े बच्चों एवं बुजुर्गों को परिजनों से मिलाया

डायल-112 जवानों ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ निभाई आपातकालीन सहायता की जिम्मेदारी...

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

के साथ नागरिकों की सुरक्षा एवं सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। विगत एक सप्ताह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में डायल-112 जवानों ने घर से बिछड़े मासूम बच्चों एवं बुजुर्गों को सुरक्षित उनके परिजनों से मिलाया। वहीं सड़क एवं रेल दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को तत्काल अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराने में मदद की। इसके अतिरिक्त आगजनी एवं आपसी विवाद जैसी आपात परिस्थितियों में भी पुलिस जवानों ने तत्परता से सहायता प्रदान की। डायल-112 जवानों ने विभिन्न जिलों में घर से निकलकर रास्ता भटक गए बच्चों एवं बुजुर्गों की सहायता कर उन्हें सुरक्षित परिजनों तक पहुँचाया। दमोह के थाना हटा क्षेत्र में 3 वर्षीय, ग्वालियर के थाना कम्पू क्षेत्र में 5 वर्षीय, बैतूल के थाना मुलताई क्षेत्र में 12 वर्षीय, टीकमगढ़ के थाना कोतवाली क्षेत्र में 8 वर्षीय, सागर के थाना मोतीनगर क्षेत्र में 6 वर्षीय बालक, भोपाल के थाना गांधीनगर क्षेत्र में घर से निकलकर रास्ता भटके 2 वर्षीय मासूम, मुरैना के थाना बामौर क्षेत्र में परिजन की डांट से नाराज होकर घर से निकले 11 वर्षीय बालक तथा सागर के थाना मकरोनिया क्षेत्र में अपने मित्र से बिछड़कर अकेले रह गए 13 वर्षीय बालक को खोजकर सुरक्षित परिवार के सुपुर्द किया। इसी प्रकार रायसेन के थाना साँची क्षेत्र में रास्ता भटक गई 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को उनके परिजनों से मिलाया । इन सभी मामलों में जवानों ने संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की। दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुँचाने में भी डायल-112 जवानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। धार जिले के अमझेरा क्षेत्र में पिकअप की टक्कर से घायल तीन राहगीरों तथा सादलपुर क्षेत्र में कार दुर्घटना में घायल चार व्यक्तियों को अस्पताल पहुँचाया। उमरिया में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों, नरसिंहपुर के ग्राम सुरगी में घायल युवक सहित एक अन्य घायल व्यक्ति, गुना के जामनेर क्षेत्र में ट्रैक्टर एवं मोटरसाइकिल की टक्कर में घायल दो व्यक्ति, छिंदवाड़ा के अमरेठ क्षेत्र में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में घायल दो व्यक्तियों, मुरैना के टेंटरा क्षेत्र में वाहन की टक्कर से घायल दो व्यक्तियों, सागर जिले के खुरई शहर क्षेत्र में सड़क किनारे घायल मिले बुजुर्ग, रहली क्षेत्र में दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में घायल चार व्यक्ति, बहेरिया क्षेत्र में सफारी कार दुर्घटना में घायल चार व्यक्ति तथा मोतीनगर क्षेत्र में घायल दो किशोरों तथा नीमच के रामपुरा क्षेत्र में वाहन की टक्कर से बेहोशी की हालत में मिले 70 वर्षीय बुजुर्ग को उपचार के लिए अस्पताल पहुँचाया । इसके अतिरिक्त खंडवा के कोतवाली क्षेत्र में रेलवे प्लेटफॉर्म पर ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति, मुरैना के स्टेशन रोड क्षेत्र में रेलवे पटरी पर ट्रेन की चपेट में आए एक व्यक्ति तथा सिंगरौली के बैढ़न क्षेत्र में ट्रेन से गिरकर



घायल हुए एक व्यक्ति को तत्काल अस्पताल पहुँचाया गया। सिवनी जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोसाई खमरिया में आगजनी की घटना में झुलसे 60 वर्षीय व्यक्ति को डायल-112 जवानों ने अस्पताल पहुँचाया तथा फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर काबू पाने में सहयोग किया। मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा प्रदेशभर में आपात परिस्थितियों में नागरिकों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए निरंतर सक्रिय है।

भिण्ड पुलिस की तत्परता से टला बड़ा हादसा

दुकान में लगी आग पर समय रहते पाया काबू



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई कर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्परता से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में भिण्ड जिले के थाना देहात पुलिस ने समय पर कार्रवाई करते हुए एक संभावित बड़े अग्नि हादसे को टाल दिया। 21 नवंबर को भारोली तिराहा स्थित ग्रांड होटल के पास एक दुकान के तलघर में आग लगने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना देहात पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने दुकान का ताला तोड़कर अग्निशामक यंत्रों की सहायता से आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की और समय रहते आग पर काबू पा लिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आग को फैलने से रोक लिया गया और संभावित दुर्घटना टल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुकान संचालक जलती हुई गैस चालू छोड़कर दुकान में ताला लगाकर चला गया था, जिससे आग के विकराल रूप लेने और आसपास के क्षेत्र में बड़ा हादसा होने की आशंका उत्पन्न हो गई थी। भिण्ड पुलिस की तत्परता, सूझबूझ और समयबद्ध कार्रवाई से एक बड़े हादसे की आशंका को समाप्त कर नागरिकों के जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

सरिस्का से बांधवगढ़ के लिए सीख

बांधवगढ़ के वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तोमर ने सरिस्का में राष्ट्रीय वन हेल्थ कार्यशाला में लिया भाग

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस और विश्व बैंक के संयुक्त तत्वावधान में सरिस्का टाइगर रिजर्व, अलवर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (दिनाँक 18 से 20 नवंबर) में देश के 10 राज्यों के वन अधिकारी और वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी शामिल हुए। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की ओर से वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश तोमर ने भाग लिया। उन्होंने बांधवगढ़ में बाघों सहित अन्य वन्यजीवों के स्वास्थ्य प्रबंधन, रोग निगरानी और फील्ड में आने वाली चुनौतियों पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यशाला का उद्घाटन राजस्थान के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि मानव, पशुधन, वन्यजीव और पर्यावरण का स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, इसलिए आज %वन हेल्थ% की अवधारणा समय की जरूरत है। सरिस्का में वर्ष 2004-05 में बाघों की संख्या शून्य हो गई थी, लेकिन पुनर्स्थापन के बाद आज वहां करीब



58 बाघ हैं। सरिस्का के कोर क्षेत्र में 29 गांव बसे हैं, जिससे गांव से जंगल और जंगल से गांव तक बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है। इसी को देखते हुए वहां कैनाइन डिस्टेंपर से बचाव के लिए कुत्तों के टीकाकरण की पहल की गई है। बांधवगढ़ जैसे टाइगर रिजर्व के लिए भी यही चुनौती सबसे बड़ी है – जहां बाघों की सघन आबादी के साथ आसपास के गांवों में पालतू पशु और कुत्ते रहते हैं। इसलिए रोगों की समय पर पहचान, जैविक नमूना संग्रह, रिमोट बायोप्सी और फॉरेंसिक नमूना संग्रह जैसे विषयों पर हुआ प्रशिक्षण बांधवगढ़ के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। कार्यशाला में 19 नवंबर को बड़ी बिल्लियों में होने वाली बीमारियों, उभरते संक्रमण और संयुक्त रोग निगरानी पर तकनीकी सत्र हुए, जबकि 20 नवंबर को सरिस्का में फील्ड प्रैक्टिकल हुआ। इसमें जैविक नमूना संग्रह, जैव सुरक्षा, रिमोट बायोप्सी, शव परीक्षण और शिकार एवं विषाक्तता के मामलों में फॉरेंसिक नमूना संग्रह का प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. तोमर वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी का इस राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला के लिये चयन, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए किए जा रहे विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप हुआ है तथा प्रबंधन का यह भी मानना है कि इस तरह की राष्ट्रीय कार्यशालाओं से वन्यजीव स्वास्थ्य प्रबंधन को वैज्ञानिक आधार मिलेगा और बाघों सहित समस्त वन्यजीवों के संरक्षण को और मजबूती मिलेगी।

बाल विवाह के खिलाफ झाबुआ की बेटी के साहस को डेविड बेकहम का सलाम

बाल विवाह रोकने के लिए कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बेटियों को जागरूक कर रही है मध्यप्रदेश सरकार : मंत्री भूरिया

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले की 17 वर्षीय बेटी हीमा निनामा का बाल विवाह के खिलाफ साहसिक कदम अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। इंग्लैंड के प्रसिद्ध पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी और यूनिसेफ के सद्भावना राजदूत डेविड बेकहम ने विश्व बाल दिवस पर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर हीमा की कहानी साझा करते हुए उसके साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना की है। बेकहम ने हीमा की कहानी के माध्यम से दुनिया को संदेश दिया है कि बेटियों को सही समय पर सहयोग और अवसर मिलें, तो वे अपने भविष्य के फैसले स्वयं लेने में सक्षम हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने हीमा के साहस की सराहना करते हुए कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा को समाप्त करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। सरकार बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन और कानूनी प्रावधानों के सख्ती से पालन के साथ बालिकाओं को उनके अधिकारों, शिक्षा और भविष्य के प्रति जागरूक करने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल बाल विवाह रोकना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना है, जिसमें हर बेटी निर्भय होकर अपनी शिक्षा पूरी कर सके और अपने जीवन के निर्णय स्वयं ले सके। मंत्री भूरिया ने कहा कि प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, समुदायों और स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बेटियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों, शिक्षा के महत्व और उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी जा

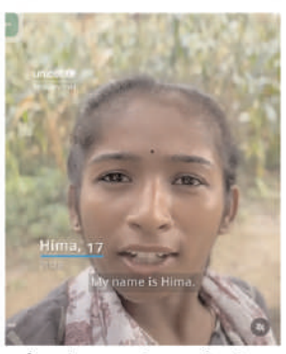

रही है। साथ ही अभिभावकों को भी जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हीमा जैसी बेटियां समाज के लिए प्रेरणा हैं। झाबुआ की बेटी के साहस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना प्रदेश की अन्य बालिकाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा। झाबुआ जिले के बरखेड़ा गांव की रहने वाली हीमा निनामा ने उस समय बाल विवाह का विरोध किया, जब वह कक्षा 11वीं में अध्ययनरत थी। परिवार ने कम उम्र में उसका विवाह तय कर दिया था, लेकिन हीमा अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहती थी। उसने साहस दिखाते हुए विवाह से इनकार किया और अपने विद्यालय के शिक्षकों से सहायता मांगी। कल्याणपुरा स्थित सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य जी.पी. ओझा और अन्य शिक्षकों ने परिवार को बाल विवाह के दुष्परिणामों और बालिका शिक्षा के महत्व के बारे में समझाया। शिक्षकों के प्रयासों और हीमा के दृढ़ संकल्प से उसका विवाह रुक गया। हीमा ने अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए कक्षा 11वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। वर्तमान में वह कक्षा 12वीं की छात्रा है और भविष्य में शिक्षक बनकर अन्य बेटियों को शिक्षा तथा आत्मनिर्भरता की राह दिखाना चाहती है। विश्व बाल दिवस, 20 नवंबर को डेविड बेकहम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर हीमा की कहानी साझा करते हुए कहा कि यूनिसेफ के साथ पिछले 20 वर्षों के कार्य अनुभव में उन्होंने देखा है कि उचित सहयोग मिलने पर लड़कियां नेतृत्व कर सकती हैं, आगे बढ़ सकती हैं और अपने जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय स्वयं ले सकती हैं। उन्होंने हीमा के साहस का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षकों की सहायता से उसने अपना बाल विवाह रुकवाया और अब वह दूसरी लड़कियों का भविष्य संवारने का सपना देख रही है। बेकहम ने बाल अधिकारों की रक्षा के लिए यूनिसेफ और उसके सहयोगी संगठनों के प्रयासों की सराहना करते हुए बच्चों और किशोरियों को आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। यूनिसेफ इंडिया ने भी हीमा के साहस और संघर्ष पर एक लघु डॉक्यूमेंट्री तैयार कर उसकी कहानी साझा की है।

सर्दियों में दही खाना सही है या नहीं? डायटिशियन से जानें क्या कहता है आयुर्वेद और मॉडर्न साइंस



दही खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है, लेकिन सर्दियों में लोग इसे खाने से परहेज करते हैं। ऐसा माना जाता है कि दही ठंडी होती है, इसलिए इसे खाने पर सर्दी-जुकाम की प्रॉब्लम हो सकती है। सच्चाई क्या है, आइए हेल्थ एक्सपर्ट से जानते हैं।

दही सेहत के लिए कितनी फायदेमंद है, ये हर कोई जानता है। लेकिन जैसे ही सर्दियां आनी शुरू हो जाती हैं, लोग दही खाना कम कर देते हैं। घर के बड़े-बुजुर्ग अक्सर कहते हैं कि दही की तासीर ठंडी होती है, इसलिए सर्दियों में इसे खाने से खांसी-जुकाम और गला खराब होने की समस्या हो सकती है। यही वजह है कि ज्यादातर लोग सर्दियों में दही का सेवन पूरी तरह अवॉइड करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वाकई प्रोटीन, कैल्शियम और गुड बैक्टीरिया से भरपूर दही सर्दियों में नुकसान करती है या ये सिर्फ कही-सुनी बात है? इसपर मॉडर्न साइंस और आयुर्वेद का भला क्या कहना है? जाने-माने डायटिशियन भावेश गुप्ता ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसी कन्फ्यूजन को दूर किया है। आइए जानते हैं उनके मुताबिक सर्दियों में दही खाना कितना सही है।

सर्दियों में दही खानी चाहिए या नहीं? आयुर्वेद से जानें

सर्दियों में आमतौर पर लोग दही खाने से परहेज करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि दही ठंडी होती है, इसलिए खांसी-जुकाम की समस्या हो सकती है। डायटिशियन की मानें तो इस बात में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। आयुर्वेद की जितनी भी संहिताएं हैं उनमें दही को उष्ण प्रकृति का बताया जाता है, यानी दही गर्म तासीर की होती है। ऐसे में अगर सर्दियों के मौसम में दही का सेवन किया जाए तो और भी फायदेमंद हो सकता है।

इसपर मॉडर्न साइंस का क्या कहना है?

डायटिशियन बताते हैं कि मॉडर्न साइंस के मुताबिक भी सर्दियों में दही खाना काफी फायदेमंद होता है। दही एक फर्मेंटेड फूड है, जो इम्यूनिटी को इंप्रूव करने में मदद करती है। इसके अलावा दही में प्रोबायोटिक्स मौजूद होते हैं, जो गट माइक्रोबायोम को हेल्दी रखने का काम करते हैं, जिससे आपका पाचन भी इंप्रूव होता है। साथ ही दही में मौजूद कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन बी 12 आपकी ओवरऑल हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

सर्दियों में दही खाने का सही तरीका जानें

सर्दियों में फ्रिज से तुरंत निकालकर ठंडी दही खाने से बचना चाहिए। इसे कुछ देर के लिए रूम टेंपरेचर पर रखने के बाद खाएं, ताकि किसी तरह का डिस्कंफर्ट ना हो।

आयुर्वेद के मुताबिक दही को रात में खाने से बचना चाहिए। रात में दही को पचाना मुश्किल हो सकता है।

लंबे समय तक बाहर रखी दही खाने से बचें। हमेशा ताजी दही का सेवन करें।

जरूरत से ज्यादा दही ना खाएं।

दही खाने से सेहत को क्या फायदे मिलते हैं?

दही सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाती बल्कि सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। जिन लोगों को पाचन से जुड़ी समस्याएं बनी रहती हैं,

उनके लिए दही एक अच्छा ऑप्शन हो सकती है। ये फर्मेंटेड होने के कारण गुड गट बैक्टीरिया को सपोर्ट करती है। इसके अलावा हड्डियों को मजबूत रखने, इम्यूनिटी को बेहतर बनाने, स्किन, बाल और ओवरऑल हेल्थ के लिए दही काफी फायदेमंद है।

संस्थागत अधिकार के सम्मान का क्षरण भारतीय लोकतंत्र की नींव के लिए खतरा



संस्थाओं की विश्वसनीयता का कम होना एक गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि लोकतांत्रिक सुरक्षा-व्यवस्था आपसी संयम पर टिकी होती है। अदालतों को स्वतंत्र रहना चाहिए, सरकारों को संवैधानिक सीमाओं का सम्मान करना चाहिए, विधायिकाओं को प्रभावी निगरानी रखनी चाहिए, और राजनीतिक दलों को यह स्वीकार करना चाहिए कि असहमति होने का मतलब यह नहीं है कि वे डराने-धमकाने का काम करें। समाचार पढ़ें भारत के सर्वोच्च न्यायालय के भीतर और बाहर जो असाधारण दृश्य देखने को मिल रहे हैं, वे देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में पनपी एक गहरी समस्या की चिंताजनक निशानी हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के बाद एक वकील को अदालत कक्ष से बाहर निकाले जाने का नज़ारा, केवल न्यायिक मर्यादा के उल्लंघन की एक अकेली घटना नहीं है। केरल में सत्ताधारी दल के नेतृत्व से जुड़ी अवमानना की कार्रवाई की पृष्ठभूमि में हुई यह घटना, संवैधानिक अधिकार के प्रति घटते सम्मान और इस क्षरण के कारणों पर कई असहज सवाल खड़े करती है।

16 नवंबर की घटना, जिसमें एक वकील ने कथित तौर पर मुख्य न्यायाधीश की ईमानदारी और उनके पद पर बने रहने की योग्यता पर सवाल उठाए, पेशेवर असहमति की जायज सीमाओं को पार कर गई। इसके बाद सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने अवमानना की कार्रवाई की मांग की, और अटॉर्नी जनरल ने भी इस कार्रवाई को शुरू करने के लिए अपनी सहमति दे दी। इससे पहले, सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य न्यायाधीश को निशाना बनाने वाली एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों को अवमानना का नोटिस जारी किया था। पार्टी का कहना था कि वह संदेश नेतृत्व की अनुमति के बिना प्रकाशित किया गया था, और बाद में उन्होंने इसके लिए माफी भी मांगी। इन परिस्थितियों पर विचार करना जरूरी है, खासकर इसलिए क्योंकि अवमानना के आरोपों और किसी को दोषी ठहराए जाने के बीच फर्क करना आवश्यक है।

एक समय था जब अदालत के शिष्टाचार से थोड़ा सा भी विचलन न्यायिक गरिमा का अपमान माना जाता था। वकील बहुत सम्मान के साथ पीठ (बेंच) के सामने अपनी बात रखते थे, और न्यायिक फैसलों पर असहमति को आमतौर पर स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के जरिए ही व्यक्त किया जाता था। अदालत कक्ष को एक ऐसी जगह माना जाता था जहां व्यक्तियों के बजाय तर्कों का महत्व अधिक होता था। आज के टकरावपूर्ण सार्वजनिक माहौल में यह परंपरा कमजोर पड़ गई है, जहां राजनीतिक बयानबाजी, व्यक्तिगत आरोपों और सोशल मीडिया अभियानों के जरिए अक्सर संस्थागत अधिकारों को चुनौती दी जाती है।फिर भी, इस गिरावट के लिए पूरी तरह से गैर-जिम्मेदार वकीलों, राजनेताओं या अनियंत्रित जनता को जिम्मेदार ठहराना बहुत ही सरल सोच होगी। किसी संस्था के प्रति सम्मान को केवल औपचारिक परंपराओं, अनुशासनात्मक शक्तियों या संवैधानिक दर्जे के सहारे हमेशा के लिए बनाए नहीं रखा जा सकता। इसके लिए लगातार सही आचरण, पारदर्शिता, निष्पक्षता और उन सिद्धांतों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता दिखानी पड़ती है, जो उस संस्था के अस्तित्व को सही ठहराते हैं। यह बात संसद और कार्यपालिका पर उतनी ही लागू होती है, जितनी कि संवैधानिक निकायों और न्यायपालिका पर।न्यायपालिका एक अत्यंत संवेदनशील स्थिति में होती है, क्योंकि उस पर मौलिक अधिकारों की रक्षा करने, संविधान की व्याख्या करने और सरकार के अन्य अंगों की मनमानी पर रोक लगाने की जिम्मेदारी होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के बने रहने के लिए न्यायपालिका की स्वतंत्रता अनिवार्य है।इसका मतलब यह नहीं है कि जब कोई फैसला किसी राजनीतिक दल या किसी वादी को निराश करे, तो न्यायपालिका को डराया-धमकाया जाए। अदालतें धमकियों, सुनियोजित दबाव या व्यक्तिगत निंदा के माहौल में काम नहीं कर सकतीं। न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए ऐसे व्यवहार से सुरक्षा जरूरी है। वहीं दूसरी ओर, फैसलों, प्रशासनिक कार्यप्रणालियों और संस्थागत व्यवस्थाओं की तर्कपूर्ण आलोचना करना संवैधानिक लोकतंत्र का एक अहम हिस्सा है। आलोचना और डराने-धमकाने के बीच का फर्क स्पष्ट होना चाहिए, खासकर तब जब खुद न्यायपालिका को यह तय करना हो कि क्या अदालत की अवमानना हुई है। समाचार पढ़ें

भारत की न्यायपालिका के सामने ऐसी चुनौतियां हैं जो केवल अदालती कार्रवाई तक सीमित नहीं हैं। लंबित मामलों का भारी बोझ, लंबे समय तक चलने वाले मुकदमे, खाली पद, कानूनी प्रतिनिधित्व तक असमान पहुंच और न्याय पाने का आर्थिक बोझ–इन सबने जनता के बीच निराशा पैदा की है। एक आम नागरिक के लिए, किसी संस्था की विश्वसनीयता इस बात से नहीं मापी जाती कि संविधान के बारे में क्या-क्या कहा जा रहा है, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि क्या उसे समय पर और किफायती न्याय मिल सकता है। जो व्यवस्था सर्वोच्च स्तर पर मौलिक स्वतंत्रता की रक्षा करने में सक्षम है, उसे उन लोगों के लिए भी सुलभ होना चाहिए जो निचली अदालतों में सालों से कानूनी कार्रवाई से जूझ रहे हैं।

बड़ी समस्या यह है कि संस्थागत साख में गिरावट भारत की राजनीतिक और प्रशासनिक संस्कृति की एक विशेषता बन गई है। संसद, जिसे कभी राष्ट्रीय विचार-विमर्श का मुख्य केंद्र माना जाता था, अब अक्सर ऐसे टकरावों का गवाह बनती है जो कानूनों की गहन जांच-परख को पीछे धकेल देते हैं।

जांच एजेंसियों का कामकाज भी संस्थागत बहस का एक विवादास्पद मुद्दा बन गया है। अलग-अलग राजनीतिक विचारधारा वाली सरकारों के दौर में, चुनिंदा लोगों पर कार्रवाई करने, राजनीतिक कारणों से जांच करने और अलग-अलग लोगों के साथ अलग-अलग व्यवहार करने के आरोप लगते रहे हैं।

चुनाव आयोग, स्वायत्त नियामक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों और प्रशासनिक तंत्र के कुछ हिस्सों को लेकर भी ऐसी ही चिंताएं हैं। इन संस्थाओं की वैधता उनकी पेशेवर स्वतंत्रता और जनता के भरोसे से आती है। जब नियुक्तियों, फैसलों या हस्तक्षेपों को मुख्य रूप से राजनीतिक नफे-नुकसान के नजरिए से देखा जाने लगता है, तो इन संस्थाओं की साख कमजोर हो जाती है।विभिन्न सरकारों ने इन संस्थाओं को अपनी सुविधा के साधन के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश करके इन दबावों को और बढ़ाया है। राजनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रिया का लगातार केंद्रीकृत होना इस समस्या को और गंभीर बनाता है। जब सत्ता कुछ गिने-चुने नेताओं के एक छोटे से दायरे में सिमट जाती है, तो संस्थाओं के भीतर असहमति जताने, नौकरशाही में खुलकर अपनी बात रखने और स्वतंत्र पेशेवर राय देने की गुंजाइश कम हो जाती है। हालांकि, विपक्ष भी जांच-परख से नहीं बच सकता, खासकर तब जब वह संवैधानिक मुद्दों पर तर्कपूर्ण चर्चा करने के बजाय व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेता है। समाचार पढ़ेंटेक्नालॉजी ने इस गिरावट को और तेज कर दिया है। सोशल मीडिया जटिल न्यायिक और प्रशासनिक सवालों को भड़काऊ नारों में बदल देता है, जिससे अक्सर असहमति और गाली-गलौज के बीच का फर्क ही मिट जाता है। राजनीतिक संगठन अब ऐसे माहौल में संवाद करते हैं जहां सटीकता के बजाय गुस्से और आक्रोश को बढ़ावा मिलता है। जन-ध्यान खींचने की होड़ में संवैधानिक संस्थाएं आसान निशाना बन जाती हैं, जबकि तर्कपूर्ण चर्चा, सनसनीखेज आरोपों के सामने टिक नहीं पाती।

संस्थाओं की विश्वसनीयता का कम होना एक गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि लोकतांत्रिक सुरक्षा-व्यवस्था आपसी संयम पर टिकी होती है।

संपादकीय

जेलों का मानवीय चेहरा

निश्चित रूप से, मानव सभ्यता में जब कभी भी जेलों की शुरुआत हुई होगी, उसका मकसद भूले-भटके लोगों में सुधार करना ही रहा होगा। ताकि समाज से अलग-थलग रहकर अभियुक्त व अपराधी को आत्ममंथन करने का मौका मिल सके। जिससे वो अपने व्यवहार में सुधार ला सके। निस्संदेह, जेल की सजा किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता छीन सकती है, न कि उसकी गरिमा या संवैधानिक अधिकार। राज्य की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह हिरासत में बंद लोगों के हितों का ध्यान रखे। लेकिन अक्सर जेलों में निर्धारित संख्या से अत्यधिक भीड़, लंबे समय तक विचाराधीन बंदियों का कैद में रहना, हिरासत में दुर्व्यवहार, अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं और खराब पुनर्वास व्यवस्था की शिकायतें मिलती हैं। जिनके प्रति जेल प्रशासन व शासन द्वारा संवेदनशील रवैया अपनाया जाना चाहिए। ऐसे में हरियाणा सरकार की उस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए, जिसके अंतर्गत सभी बीस जेलों के लिये 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करने का फैसला लिया गया है। निस्संदेह, यह प्रयास जेल प्रशासन को अधिक जवाबदेह व मानवीय बनाने की दिशा में स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, यह कदम सुप्रीम कोर्ट के अक्तूबर 2024 के उस ऐतिहासिक फैसले के आलोक में ही उठाया गया है, जिसमें कोर्ट ने जेलों के भीतर जाति-आधारित भेदभाव को असंवैधानिक घोषित किया था। अदालत ने जेल की दीवारों के पीछे मौजूद सामाजिक ऊंच-नीच की चिंताजनक स्थिति को उजागर किया था। जहां समाज में हाशिये पर रहने वाले समुदायों के कैदियों को छोटे-मोटे और निम्न स्तर के काम सौंपे जाते थे। इस तरह उनके साथ भेदभाव किया जाता रहा। सही मायने में इस नई पहल को केवल अदालती आदेश के पालन करने तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 'मॉडल प्रिजन मैनुअल-2016' और हरियाणा के अपने 'प्रिजन रूल्स-2022' में पहले से ही ऐसी निगरानी प्रणाली का प्रावधान रहा है। इसके बावजूद राज्यों को इन्हें लागू करने के लिये प्रेरित करने हेतु सुप्रीम कोर्ट को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ा है।

निस्संदेह, हरियाणा द्वारा राज्य की सभी जेलों के लिये 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करने के कदम के सकारात्मक परिणामों की उम्मीद की जा सकती है। इसी क्रम में जिला-स्तरीय बोर्डों का गठन किया जा सकता है। जिसमें जिला मुख्य न्यायाधीशों की अध्यक्षता में प्रशासन,पुलिस,स्वास्थ्य सेवाओं, निर्वाचित प्रतिनिधि और नागरिक समाज के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं।

इससे जेलों के भीतरी प्रशासनिक व्यवस्था की आवश्यक जांच-पड़ताल हो सकेगी। इसके अंतर्गत हर तीन महीने में जेलों का निरीक्षण करने, कैदियों तक बिना किसी बाधा के पहुंच बनाने और बंदियों के रहन-सहन,स्वास्थ्य सुविधाओं तथा पुनर्वास के इंतजामों की जांच करना प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे सार्थक प्रयास करने से व्यवस्था की खामियां उजागर हो सकती हैं। लेकिन वास्तव में यह कवायद तभी सार्थक होगी, जब बोर्ड के सदस्यों को स्वतंत्र रूप से काम करने की छूट मिल सके। यदि वास्तव में ऐसा होता है तो जेल के बंदी बिना किसी जवाबी कार्रवाई के भय के अपनी शिकायतें बेबाक रूप से बोर्ड के सदस्यों के सामने रख सकते हैं। वहीं दूसरी ओर निरीक्षण रिपोर्टों के आधार पर एक निश्चित सीमा के भीतर ही कैदियों की जीवन परिस्थितियों को सुधारने के लिये कदम उठाये जाने चाहिए।

तभी 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करना सार्थक साबित हो सकता है। निश्चित रूप से जांच पड़ताल में सामने आए निष्कर्षों को सार्वजनिक करना अपरिहार्य होना चाहिए। ऐसा करने से जेल प्रशासन में पारदर्शिता को अधिक विस्तार दिया जा सकेगा। निश्चित रूप से 'बोर्ड ऑफ विजिटर्स' गठित करने की पहल के लक्ष्य सुधारात्मक होने चाहिए। ताकि जेल के भीतर सकारात्मक सुधारों के जरिये मानवीय मूल्यों की गरिमा स्थापित की जा सके। जिससे यह आक्षेप खारिज किया जा सके कि जेल सिर्फ बंदियों की उपेक्षा और अपमान के अड्डे होते हैं।

आधुनिक भारत और नेहरू, गांधी परिवार की विरासत



नेहरू के सपनों का संसार अंतरिक्ष की ऊंचाइयों से होड़ करता था। हें विरासत में गरीब और समस्याग्रस्त देश मिला था। विभाजन की ाभीषिका ने देश के मानस पर गहरे जख्म किए थे। उन्होंने ऐसे समय में श के घावों पर मरहम रखने के साथ उसकी तरक्की का योजनाबद्ध भियान हाथ में लिया। भाखड़ा नंगल बांध की शुरुआत करते हुए नेहरू उसे आधुनिक भारत का तीर्थ कहा था। नक्शे देखेंइन दिनों नेहरू-गांधी रिवार सुर्खियों में है। सोनिया गांधी की किताब-%बिलॉनिंगः ए जर्नी ॉफ लव% से जुड़ी हलचल ने लोगों का ध्यान परिवार की तरफ खींचा । पेंगुइन के टालमटोल के बाद नए प्रकाशक ने किताब छापने का सला किया। उस वक्त बताया गया कि किताब की एक लाख प्रतियां काशित की जाएंगी। 16 नवंबर को नई दिल्ली में लॉन्चिंग पर प्रकाशक पर कॉलिन्स इंडिया के सीईओ अनंत पद्मनाभन ने बताया कि एक सप्ताह

पुस्तक की दो लाख प्रतियां बिक चुकी हैं। पश्चिमी देशों में किसी स्तक की दस-बीस लाख प्रतियां बिकना बड़ी बात नहीं है। भारत में ताबें पढ़ने में लोगों की दिलचस्पी ज्यादा नहीं है। इसलिए यह संख्या ान करती है। किताब खरीदने वाले लोगों में बड़ी संख्या कांग्रेस नेताओं, र्यकर्ताओं की भी होगी। फिर भी, किसी शख्सियत के संस्मरण या ात्मकथ्य के प्रति लोगों की उत्सुकता पहले कभी इतनी ज्यादा नहीं देखी ई थी।सोनिया की किताब पर उठी चर्चा के कई कारण हैं। पेंगुइन के लमटोल के बाद मीडिया में अनुमान लगाए गए। अखबारों ने किताब के शों का प्रकाशन शुरू कर दिया। अभी हाल के वर्षों में किसी किताब के ने ज्यादा अंश मीडिया में नहीं आए हैं। किताब पर सत्तारूढ़ भारतीय नता पार्टी की प्रतिक्रिया ने भी लोगों की उत्सुकता जगाई है। यों भी, बीते 2-13 वर्षों से नेहरू-गांधी परिवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के शाने पर हमेशा रहता है। कांग्रेस के कार्यकर्ता जवाहर लाल नेहरू को तना याद नहीं करते हैं, उससे ज्यादा तो भाजपा के नेता उनका नाम लेते । मोदी ने संसद में कई बार नेहरू पर तीखे प्रहार किए हैं। उनके कथनों, ार्थिक नीतियों, विदेश नीति की कड़ी आलोचना की गई है।

नेहरू के खिलाफ सुनियोजित अभियान चलाया गया है। बयानों के लावा मीम्स, ट्रोल्स के जरिये उनका उपहास उड़ाया जाता है। भारत की माम सामाजिक, आर्थिक समस्याओं के लिए उन्हें दोषी ठहराया जाता है। ताओं के अलावा अर्थशास्त्रियों, विश्लेषकों और विद्वानों की फौज नेहरू ो नीतियों की समीक्षा करती है। इतिहास के हर दौर में राजनेताओं और माज को प्रभावित करने वाली हस्तियों, संगठनों के कामकाज, फैसलों का मूल्यांकन होता है। उनके सही, गलत निर्णयों और उपलब्धियों की वस्तुनिष्ठ समीक्षा होती है। ऐसा होना भी चाहिए। इससे भविष्य के लिए नई दिशा मिलती है। लेकिन, नेहरू,गांधी खानदान की आलोचना के मामले में बहुत बार ऐसा नहीं हो रहा है।आधुनिक भारत में सत्ता पर लंबे समय तक रहने वाले परिवार के मामले में अलग मापदंड अपनाए गए हैं। अब निशाने पर सबसे अधिक राहुल गांधी हैं। उन्हें पप्पू, नामदार, शहजादे, अपरिपक्व सहित कई अन्य उपाधियों से विभूषित किया गया है। उन्हें देश विरोधी बताया जाता है। राहुल की विदेश यात्राओं से पहले उनके खिलाफ भाजपा के बयान आने लगते हैं। राहुल के कुछ बयान असहज करते हैं। लेकिन अब उनमें परिपक्वता नजर आती है। उनके साथ एक समृद्ध राजनीतिक परिवार की विरासत जुड़ी है। उन्हें अच्छा लॉन्च पैड मिला था। उन्होंने अपनी सक्रियता और चुनाव प्रक्रिया में धांधली जैसे मुद्दों को उठाकर एक मजबूत और असरदार विपक्षी नेता के रूप में अलग पहचान बना ली है। समाचार पढ़ेंसोनिया की किताब में लोगों की दिलचस्पी केवल सोनिया के कारण नहीं है। भारत के इतिहास में नेहरू, गांधी परिवार की अमिट छाप को भुलाना मुश्किल है। स्वाधीनता संग्राम और फिर आजादी के बाद देश की सार्वजनिक गतिविधियां इस परिवार के आसपास केंद्रित रही हैं। खानदान में दो व्यक्तित्व सबसे अहम हैं। एक हैं- जवाहर लाल नेहरू और दूसरी हैं-उनकी बेटी इंदिरा गांधी। भारत के वर्तमान स्वरूप में नेहरू की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका है। आधुनिक भारत की स्थिति पर गौर करते हुए नेहरू के योगदान को नहीं भूलना चाहिए।नई पीढ़ी शिक्षा, साइंस, टेक्नालॉजी, रिसर्च, मेडिकल साइंस, आईटी, कृषि, औद्योगिक विकास सहित कई क्षेत्रों में भारत की तेज रफ्तार को महसूस करती है। उसके पीछे नेहरू की सोच, दृष्टि और कल्पना मौजूद है। आजादी के संग्राम में साढ़े नौ वर्ष तक जेल में रहे नेहरू ने विकास के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा था। उनके दौर में सार्वजनिक क्षेत्र में 50 से अधिक बड़े संस्थानों की नींव रखी गई। इनमें कुछ प्रमुख हैं, जीवन बीमा निगम, तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, इंडियन ऑयल, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, हिंदुस्तान मशीन टूल्स। शिक्षा, कला, संस्कृति की तरफ भी उनका झुकाव था। कई संस्थाएं उनके बहुआयामी व्यक्तित्व की तस्वीर पेश करती हैं। संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी, नेशनल म्यूजियम, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, फिल्म इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जैसे संस्थानों ने उनकी पहल से आकार लिया।नेहरू के सपनों का संसार अंतरिक्ष की ऊंचाइयों से होड़ करता था। उन्हें विरासत में गरीब और समस्याग्रस्त देश मिला था। विभाजन की विभीषिका ने देश के मानस पर गहरे जख्म किए थे। उन्होंने ऐसे समय में देश के घावों पर मरहम रखने के साथ उसकी तरक्की का योजनाबद्ध अभियान हाथ में लिया। भाखड़ा नंगल बांध की शुरुआत करते हुए नेहरू ने उसे आधुनिक भारत का तीर्थ कहा था। नेहरू ने भाखड़ा से साथ हीराकुंड, नागार्जुन सागर, दामोदर वैली, रिहंद बांध, तुंगभद्रा, कोसी और चंबल जैसी बांध योजनाओं को धरातल पर उतारा।

नेहरू की दृष्टि तरक्की के हर क्षितिज को स्पर्श करती है। अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और एम्स के साथ उनकी प्राथमिकता में नेशनल बुक ट्रस्ट, यूजीसी और एनसीईआरटी भी थे। भारत ने आज आईटी, फार्मास्युटिकल्स और ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में खास पहचान बनाई है। इन सबके पीछे नेहरू के अनंत सपनों की दुनिया है। गूगल के सुंदर पिचई जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों की दिग्गज हस्तियां भारत के आईआईएम, आईआईटी की देन हैं। कुछ साल पहले देश में स्मार्ट सिटी की बहुत चर्चा थी। नेहरू ने चंडीगढ़ के रूप में देश के सामने स्मार्ट सिटी की परिकल्पना पेश कर दी थी। नक्शे देखें

नेहरू के दौर में भारत गरीब था। फिर भी, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उसकी आवाज बहुत प्रभावशाली थी। दो महाशक्तियों अमेरिका और सोवियत संघ की तनातनी के बीच नेहरू और बाद में इंदिरा गांधी ने भारत की गुटनिरपेक्ष छवि को बनाए रखा। 1962 के युद्ध में चीन से अपमानजनक पराजय के लिए नेहरू को दोषी ठहराया जाता है। कई विशेषज्ञ कहते हैं, चीन के प्रति उनका रवैया नरम था। दूसरी ओर नेहरू के समय खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर रहे भोलानाथ मलिक इस धारणा को गलत बताते हैं। मलिक ने अपने संस्मरणों में दावा किया है कि नेहरू की पहल पर भारत ने चीन से लगी सीमा पर उन सभी क्षेत्रों में चौकियां बनवाई थीं जिन पर भारत दावा करता था। मलिक के अनुसार चीनी हमले के समय नेहरू ने तटस्थता के सिद्धांतों को भुलाकर अमेरिका से सैनिक मदद मांगी थी।नेहरू की मौत के दो साल बाद प्रधानमंत्री बनीं इंदिरा गांधी ने भारत की सैनिक ताकत को बढ़ाने का अभियान चलाया। 1971 के बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तान की निर्णायक हार ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का दबदबा बढ़ाया था। भारत ने 1974 में परमाणु परीक्षण के जरिये चीन सहित सभी बड़ी ताकतों को चौंका दिया था। इस पराक्रम के पीछे नेहरू द्वारा सभी क्षेत्रों में खड़ा किया गया मजबूत आधार है। भारतीय जनजीवन के सभी क्षेत्रों में नेहरू की सशक्त मौजूदगी रही है। इसलिए उन्हें भाजपा और संघ परिवार ने निशाना बनाने के लिए सबसे आदर्श और उपयुक्त पात्र माना है।नेहरू, गांधी परिवार की विराट प्रतिमा को खंडित करने के अभियान की पृष्ठभूमि में सोनिया गांधी का अपनी किताब में परिवार का पक्ष पेश करना स्वाभाविक है। उन्होंने नेहरू के बाद की स्थितियों का ज़िक्र किया है। सोनिया ने किताब की लॉचिंग के समय हार्पर कॉलिन्स की पब्लिशर पौलोमी चटर्जी से चर्चा करते हुए कहा, मैं अपने परिवार के संबंध में कही गई काल्पनिक कहानियों के संदर्भ में स्थिति स्पष्ट करना चाहती थी। मेरी सास, पति, बेटे, बेटी और मेरे बारे में बहुत कुछ गलत बताया गया है। उन्होंने कहा, मन को आहत करने वाली ऐसी बातें कही गई हैं जिनका सच से कोई नाता नहीं है। सोनिया के कथन में सच्चाई है। उनकी किताब भारत के आधुनिक राजनीतिक इतिहास का अहम दस्तावेज है। नेहरू, गांधी परिवार के आभामंडल ने उनकी किताब को विशिष्ट चमक दी है।



नहीं आया इंटरव्यू के लिए कॉल, आपने की होंगी ये 5 गलतियां

शायद आप कुछ समय से जॉब तलाश रहे हों और आपने अलग-अलग कंपनियों, अलग-अलग पदों पर आवेदन दिया हो। हर दिन आप यह काम करते हो लेकिन आपके पास अभी तक कोई रिस्पॉन्स नहीं आया हो, ना कोई कॉल, ना ई-मेल। आपके हताश होने से पहले, यहां कुछ जरूरी बातें दी जा रही है जो कि आप आवदेनों को भेजने के पहले एक बार फरि चेक कर लें।

हर आवेदन में एक ही सीवी और कवर लेटर तो नहीं यूज किया

हर जॉब अलग है और उस जॉब की जरूरत के हिसाब से सीवी में बदलाव की जरूरत होती है। आपको अपना सीवी कस्टमाइज करने के लिए समय निकालना चाहि और यह सोचना चाहिए कि ऐसा क्या बदलाव किया जाए कि आपको इंटरव्यू के लिए एचआर से कॉल आ जाए। अगर आपका सीवी हर जॉब के हिसाब से पर्सनलाइज्ड नहीं हुआ तो यह इग्नोर हो सकता है। एम्प्लॉयर्स यह बात नोटिस करते है कि आपके सीवी और कवर लेटर में एक ही बातें तो नहीं है। भीड़ से अलग दिखने के लिए आपको यह साबित करना होगा कि आप एक अच्छे एम्प्लॉई बन सकते हैं। ऐसी चीजें शामिल करें जिससे कंपनी ज्यादा आकर्षित हो।

आवेदन गलत जगह तो भेज नहीं दिया

जिस व्यक्ति को आवदेन भेजना है उसके नाम में कई आवेदक गलती से या मूर्खतावश गलती कर देते हैं। वशिष रूप से जब आप अलग-अलग जगहों पर अप्लाई कर रहे हैं तो एड्रेसी और कंपनी का नाम अपडेट करना आसानी से भूल सकते हैं। इतना ही नहीं नाम की स्पेलिंग में गलती भी भारी पड़ सकती है।

आप न्यूनतम योग्यता पर खरे नहीं उतरे हैं

आपको इंटरव्यू कॉल नहीं आएगा अगर आप अंडरक्वॉलिफाइड हैं। अगर आपके पास आवश्यकतानुसार अनुभव, शैक्षणिक योग्यता नहीं है या आपने उसी माहौल या इंडस्ट्री में काम नहीं किया है तो आपका सीवी बाहर कर दिया जाएगा।

याद रखें, आपको यह पता होना चाहिए कि आप योग्य है लेकिन आप रिकूटर के लिए केवल एक कागज का टुकड़ा हैं। वे आपके बारे में उतना ही जानते हैं जो आपका पिछला अनुभव कहता है। उन्हें कई सारे सीवी देखने होते हैं और वे कभी भी अपना समय ऐसे में व्यर्थ नहीं करेंगे या आपके बारे में ज्यादा जानने की कोशिश नहीं करेंगे।

क्या आप न्यूनतम योग्यता को पार कर गए हैं

अगर आप ओवरक्वॉलिफाइड हैं तो भी आपके पास कॉल नहीं आएगा। कोई भी कंपनी ऐसे व्यक्ति को हायर नहीं करेगी। ऐसे में आपका सीवी भी रिजेक्ट हो जाएगा और वे सीवी के ढेर में नए आवेदन पर नजर घुमाएंगे।

कॉन्टेक्ट डिटेल्स अपडेट किया

भेजने से पहले आपको सीवी आपको बार-बार चेक करना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लें कि आपने आपका वर्तमान ई-मेल एड्रेस, मोबाइल नंबर और लैंडलाइन नंबर डॉक्यूमेंट्स में अपडेट कर लिया है। अगर आपने आपका पुराना सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिया है तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपने उसे सीवी से भी हटा दिया है। अगर आपने सोशल मीडिया अकाउंट्स में प्राइवेसी सेंटिंग कर रखी है तो एचआर को इसके जरिए संपर्क करने का मत कहिए।





भारत में मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के बीच एमबीए इन मार्केटिंग हमेशा से एक लोकप्रिय स्पेशलाइजेशन रहा है। मगर अब डिजिटल युग के आने से मार्केटिंग के क्षेत्र में जबरदस्त बदलाव आया है और अब इसमें डिजिटल मार्केटिंग भी शामिल हो गई है।

अब डिजिटल मार्केटिंग में पा सकते हैं एमबीए डिग्री

पढ़ाई के क्षेत्र के रूप में डिजिटल मार्केटिंग का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा है कि अब मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग को एक ही माना जाने लगा है। यूं तो दोनों ही क्षेत्रों में मूल काम उत्पादों व सेवाओं का प्रमोशन तथा सेल्स है मगर डिजिटल मार्केटिंग में अपनाई जाने वाली रणनीतियां परंपरागत मार्केटिंग से बहुत अलग और कहीं अधिक प्रभावी होती हैं। डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र की बढ़ती लोकप्रियता और इसके लगातार विस्तार को देखते हुए मैनेजमेंट गुरुओं ने एमबीए कोर्स के लिए डिजिटल मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन की अलग ब्रांच की जरूरत महसूस की। आज डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए का विकल्प तो उपलब्ध है मगर कई विद्यार्थियों में इस बात को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मार्केटिंग और डिजिटल मार्केटिंग में क्या अंतर है और वे इन दोनों में से किस स्पेशलाइजेशन का चयन करें। तो चलिए, डिजिटल मार्केटिंग के बारे में थोड़ा और विस्तार से जानते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग से कैसे अलग

जहां 'मार्केटिंग'' में सभी प्रकार की मार्केटिंग आती है, वहीं 'डिजिटल मार्केटिंग'' में केवल डिजिटल माध्यमों द्वारा की गई मार्केटिंग शामिल है। इनमें वेबसाइट, सोशल नेटवर्क, बैनर ऐड, गूगल ऐड, सर्च रिजल्ट, यूट्यूब वीडियो आदि आते हैं। परंपरागत मार्केटिंग में विज्ञापनदाता से उपभोक्ता की ओर सूचना का एकतरफा प्रवाह होता है। वहीं डिजिटल माकेटिंग में दोतरफा संवाद संभव है। परंपरागत मार्केटिंग में जहां विज्ञापन की लागत बहुत अधक आती है, वहीं डिजिटल मार्केटिंग में यह कम रहती है। परंपरागत मार्केटिंग कैंपेन काफी पहले से प्लान किए जाते हैं मगर डिजिटल कैंपेन तात्कालिक भी हो सकते हैं।

एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग

कई युवाओं का तर्क होता है कि केवल डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए कर अपनी पढ़ाई का स्कोप सीमित करने के बजाय मार्केटिंग में एमबीए करना बेहतर है। यह बात अपनी जगह सही हो सकती है मगर आप जरा डिजिटल मार्केटिंग को भविष्य के नजरिये से भी देखें। पिछले एक दशक में सारे बिजनेस घरानों ने अपना ध्यान मार्केटिंग के परंपरागत माध्यमों से हटाकर डिजिटल माध्यमों पर केंद्रित कर दिया है। डिजिटल मार्केटिंग की लोकप्रियता के कई कारण हैं, जिनमें प्रमुख हैं कम लागत, तत्काल प्रतिसाद, लचीलापन, सुविधा और प्रभावशीलता। कई जानकार तो यह भी कहते हैं कि आज के दौर में अगर आपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग नहीं की, तो ग्राहक आपसे दूर ही रहेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि आने वाले समय में सारी मार्केटिंग डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर ही जाएगी। इस प्लेटफॉर्म पर खास तरह की मैनेजमेंट स्किल की जरूरत होती है। इसीलिए एमबीए इन डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतर तथा आकर्षक करियर ऑप्शन बन गया है।

क्या है स्कोप

हमारे यहां अब भी यह फील्ड अपने शुरूआती दौर में है और इसके बड़ी तेजी से विस्तार लेने की उम्मीद है। डिजिटल मार्केटिंग में एमबीए के विद्यार्थियों को तकनीकी बुनियाद तथा डिजिटल लैंग्वेज के कॉन्सेप्ट्स से रूबरू कराया जाता है। इसमें ये विषय भी शामिल होते हैं : वेब एनालिटिक्स, एडवर्टाइजिंग कम्युनिकेशन, बायर बिहेवियर, मार्केटिंग मैनेजमेंट, बी2बी ई-मार्केटिंग, इंटरनेट मार्केटिंग स्ट्रैटेजी आदि। भविष्य में इनमें सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग आदि के भी शामिल किए जाने की संभावना है।

पे-पैकेज

काफी नई फील्ड होने के बावजूद डिजिटल मार्केटिंग वेतन के लिहाज से बेहद आकर्षक है। एक नया डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 4 से 5 लाख रुपए का वार्षिक पैकेज पा सकता है। अनुभव के साथ इसमें तीव्रता से वृद्धि होती है। 5 से 7 साल का अनुभवी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर 10-12 लाख का वार्षिक पैकेज पा सकता है।

करियर ऑप्शन

डिजिटल मार्केटिंग में डिग्री लेने के बाद करियर के कई ऑप्शन खुले होते हैं। फिलहाल हम इनमें से 3 सबसे बेहतर ऑप्शंस की चर्चा करेंगे।

डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर

इन्हें मार्केटिंग की भाषा में 'बज क्रिएटर'' भी कहा जाता है। ये कस्टमर बिहेवियर डेटा पर काम करते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मार्केटिंग की ऐसी रणनीति तैयार करते हैं, जिससे उस उत्पाद या सेवा के प्रति उपभोक्ता की जिज्ञासा जागे। ईमेल मार्केटिंग, ईकॉमर्स, सोशल मीडिया कैंपेन आदि इनके काम का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में जॉब के अवसर अकेले इस साल ही 12 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। अगर आप डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर के रूप में करियर बनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप कोडिंग, वेब डिजाइन, एप्लिकेशन डेवलपमेंट, मार्केटिंग इकोनॉमिक्स तथा जनरल मैनेजेरियल एप्टिट्यूड में पारंगत हो जाएं।

इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर

अगर आपमें डेटा कलेक्शन और प्रोसेसिंग का हुनर है, तो आप इस फील्ड में करियर बना सकते हैं। इंटरनेट मार्केटिंग मैनेजर को मुख्य रूप से मार्केट रिसर्च एनालिस्ट के रूप में काम करना होता है। वे कस्टमर बिहेवियर डेटा का अध्ययन कर यह तय करते हैं कि उत्पाद या सेवा की बिक्री की कितना संभावना है। इसमें एमबीए की डिग्री के अलावा मार्केट रिसर्च एंड एनालिसिस में सर्टिफिकेशन आपके काम आएगा।

डिजिटल सेल्स मैनेजर

मार्केटिंग व सेल्स एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। सो कई कंपनियां डिजिटल सेल्स की जिम्मेदारी डिजिटल मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोफेशनल को सौंपती हैं। यदि आपको डिजिटल मीडिया व निजता कानूनों, ब्राण्ड मैनेजमेंट, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स आदि का ज्ञान है, तो डिजिटल सेल्स मैनेजर के रूप में यह आपको बहुत काम आएगा।





साइंस स्टूडेंट्स के लिए इस क्षेत्र में ढेरों हैं संभावनाएं

विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आए दिन नई-नई शाखाएं जुड़ रही हैं। नैनो टेक्नोलॉजी भी तुलनात्मक रूप से एक नया क्षेत्र है। नैनो टेक्नोलॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर देश-विदेश में छलांगें लगाकर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को 'साइंस ऑफ मिनिएचर' अर्थात लघुतर का विज्ञान भी कहा जाता है। जब कोई वस्तु या सामग्री नैनो डाइमेंशन (10-9 मीटर = 1 नैनोमीटर) में बदल जाती है, तो उसके भौतिक, रासायनिक, चुंबकीय, प्रकाशीय, यांत्रिक और इलेक्ट्रिक गुणों में बड़ा भारी परिवर्तन आ जाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए, तो नैनो टेक्नोलॉजी एक ऐसा विषय क्षेत्र है, जिसमें नए अवसरों की भरमार है। नैनो टेक्नोलॉजी वैज्ञानिकों को व्यावहारिक सीमाओं से परे जाकर आणविक स्तर पर प्रयोग करने की सुविधा प्रदान करती है।

हर क्षेत्र में पैठ

नैनो टेक्नोलॉजी वर्तमान में मानवीय जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में प्रवेश कर चुकी है। यह तकनीक बायोसाइंस, मेडिकल साइंस, पर्यावरण विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉस्मेटिक्स, सिक्योरिटी, फैब्रिक्स और विविध क्षेत्रों में चमत्कार कर रही है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि नैनो टेक्नोलॉजी प्रत्येक क्षेत्र जैसे मेडिसिन, एयरोस्पेस, इंजीनियरिंग, विभिन्न उद्योगों और तकनीकी क्षेत्रों, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी। कुल मिलाकर ऐसा कोई क्षेत्र नहीं होगा, जो नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल नहीं करेगा।

आर एंड डी पर आधारित

आने वाले समय में नैनो टेक्नोलॉजी के फायदों को देखते हुए पूरे विश्व में अकादमिक स्तर पर इसे एक विषय के रूप में अपनाया जा रहा है। नैनो टेक्नोलॉजी के पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स हमारे देश में उपलब्ध हैं। एमटेक और एमएससी कोर्स में प्रवेश के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, बायोइंफॉर्मेटिक्स, इंस्ट्रूमेंटेशन आदि विषयों से ग्रेजुएशन कर चुके विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर दिया जाता है।

नैनो टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम का स्वरूप मूलत : रिसर्च एवं डेवलपमेंट (आर एंड डी) पर आधारित होता है। इसके पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को पहले संबंधति विषय के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया जाता है। इसके बाद इस तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग के अनुरूप अप्लाइड रूप देकर अन्य विषयों की जानकारी दी जाती है, ताकि पाठ्यक्रम रोचक, वस्तुनिष्ठ व ज्ञान पर आधारित बन सके। इसमें पदार्थ के भौतिक, रासायनिक तथा जैविक गुणों का सूक्ष्मतम अध्ययन कराया जाता है। पाठ्यक्रम की विषयवस्तु में क्वांटम थ्योरी, लिथोग्राफी, कार्बनिक और अकार्बनिक नैनो मटेरियल, स्पेक्ट्रोग्राफी, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी, एक्स-रे डिफ्रैक्शन, रमन प्रभाव, नैनो बायोसाइंस, जीन स्ट्रक्चर आदि शामिल हैं।

करियर के कई विकल्प

नैनो टेक्नोलॉजी का अध्ययन करने वालों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर के अच्छे विकल्प उपलब्ध हैं। यह तकनीक रक्षा, सैन्य सामग्री निर्माण, फॉरेंसिक साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में रोजगार के अच्छे अवसर प्रदान करती है। नैनो टेक्नोलॉजी पर्यावरण, कृषि, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार प्रदान करती है। इस तकनीक का प्रयोग कैंसर के इलाज में भी किया जा रहा है। इसलिए स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में यह तकनीक अच्छी करियर की संभावनाएं रखती है। नैनो टेक्नोलॉजी के अध्यापन के क्षेत्र में भी करियर बनाया जा सकता है।

खुल रहे हैं नए द्वार

नैनो टेक्नोलॉजी के द्वारा विभिन्न तत्वों की बॉण्ड संरचना में परिवर्तन करने पर या उनका आपस में संयोग करने पर एकदम नए तत्व का निर्माण भी किया जा सकता है। इस विषय में अभी बहुत-से नए आयाम खोजे जाने बाकी हैं तथा इसके प्रयोग से भौतिकी के लगभग सभी सिद्धांतों को यथार्थ रूप दे पाना संभव हो सकता है। इसलिए यह विषय शोधर्थियों के लिए कार्यक्षेत्रों के नए द्वार खोलता है। इस टेक्नोलॉजी को और भी उन्नात बनाने तथा भविष्य में इस क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश करने के लिए भारत सरकार भी पहल कर रही है। अमेरिका का नेशनल साइंस फाउंडेशन 'नेशनल नैनो टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव' नामक योजना चला रहा है। इसके साथ ही विश्व के तमाम उन्नत देश भी इस पर अलग-अलग नामों से योजनाएं चला रहे हैं। अनेक देश इस विषय में शोध के लिए प्रतिवर्ष अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। स्पष्ट है कि इसके चलते इस क्षेत्र में जॉब्स के भरपूर अवसर निर्मित होने जा रहे हैं। नैनो टेक्नोलॉजी को आज जिन प्रमुख चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, वे हैं शिक्षित, प्रशिक्षित तथा कुशल कर्मचारियों की कमी। नैनो टेक्नोलॉजी विभिन्न प्रमुख नवाचारों के विकास में संलग्न है और इस क्षेत्र में नित नए प्रयोग हो रहे हैं, जिससे कुशल मानवशक्ति को रोजगार के उजले अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी, कानपुर
- जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बेंगलुरू
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरू
- नेशनल केमिकल लैबोरेट्री, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : **MPHIN/26/A1603,** संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



ब्रेकअप के बाद ललित मोदी ने

सुष्मिता सेन

पर लुटाया प्यार, बर्थडे पर इस अंदाज में किया विश, वायरल हुई तस्वीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने अपने लंबे करियर में शानदार एक्टिंग से सबका दिल जीता है. बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक उन्होंने हर रोल में अपनी अलग छाप छोड़ी. हालांकि, जबरदस्त करियर के अलावा उनकी लव लाइफ भी काफी चर्चा में रही है. 19 नवंबर को एक्ट्रेस ने अपना 51वां बर्थडे सेलिब्रेट किया है. इस खास मौके पर ललित मोदी की एक सोशल मीडिया पोस्ट ने लोगों का ध्यान खींचा है. सुष्मिता सेन के बर्थडे पर ललित मोदी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक तस्वीर पोस्ट की और उन्हें विश किया.दरअसल ललित मोदी ने जो तस्वीर शेयर की है, वो एक ब्लैक-एंड-व्हाइट फोटो है. जिसमें ललित मोदी और सुष्मिता सेन एक साथ नजर आ रहे हैं. जिसके ऊपर हैप्पी बर्थडे माय फ्रेंड लिखा हुआ है. पोस्ट के कैप्शन में ललित मोदी ने लिखा कि वो अपनी सबसे प्यारी दोस्त सुष्मिता सेन को बर्थडे की ढेरों बधाई देते हैं और हमेशा मुस्कुराते रहने की दुआ करते हैं.

सोशल मीडिया पर ललित मोदी की पोस्ट वायरल

ललित मोदी की यह पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई. तस्वीर में ललित मोदी की लोकेशन एथेंस (ग्रीस) दिखाई दे रही है. पोस्ट पर हजारों



लाइक्स आए हैं और कई यूजर्स ने हार्ट इमोजी के जरिए अपना रिएक्शन दिया है. दरअसल दोनों के एक्स रिलेशनशिप को लेकर काफी चर्चाएं रही थीं. ऐसे में इस बर्थडे की बधाई ने एक बार फिर लोगों का ध्यान इस ओर खींचा है.सुष्मिता सेन के बर्थडे पर आए इस पोस्ट को लेकर फैन्स और सोशल मीडिया यूजर्स के बीच अलग-अलग तरह की बातें हो रही हैं, जहां एक तरफ कुछ लोग इसे दोस्ती के अंदाज में देख रहे हैं. वहीं कई यूजर्स इस पोस्ट पर प्यार वाले इमोजी कमेंट कर रहे हैं.

रिश्ते में रह चुके हैं ललित मोदी और सुष्मिता सेन

साल 2022 में ललित मोदी ने सुष्मिता सेन के साथ कई रोमांटिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर तहलका मचाया था. उन तस्वीरों में दोनों वेकेशन एंजॉय करते नजर आए थे. और ललित मोदी ने सुष्मिता को अपनी 'बेटर हाफ' बताते हुए प्यार का इजहार किया था. हालांकि, कुछ समय बाद दोनों के अलग होने की खबरें सामने आईं. और ललित मोदी ने अपने सोशल मीडिया बायो और पोस्ट में भी बदलाव कर लिए थे.

डर के साए में शूटिंग मुश्किल.... धमकियों के बीच फिल्म फेडरेशन की मांग- बड़े स्टार्स से जूनियर आर्टिस्ट तक को मिले सुरक्षा

कई फिल्मी सितारे गैंगस्टरों के निशाने पर हैं. अमिताभ बच्चन, तुषार कपूर, आयुष्मान खुराना, सैफ अली खान को हाल ही में धमकी मिली. अक्टूबर के महीने में टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग भी हुई थी. अब फिल्म फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉयज (FWICE) ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देंवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है. फेडरेशन ने बड़े स्टार्स, फिल्ममेकर्स के साथ-साथ जूनियर आर्टिस्ट और तकनीकी कर्मचारियों की भी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है.फिल्म फेडरेशन ने मुंबई पुलिस से मांग की कि अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा से लेकर शूटिंग सेट तक सुरक्षा बढ़ाई जाए. जिन कलाकारों को धमकी है, उन्हें सुरक्षा मिले ताकि शूटिंग प्रभावित न हो. फिल्म फेडरेशन ने कहा कि बड़े कलाकारों को मिली धमकियों के चलते डर के साए मैं शूटिंग करवाना मुश्किल है.

फिल्म इंडस्ट्री चिंतित

दरअसल, टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग, अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा को निशाना बनाने की कथित साजिश, अक्षय कुमार के घर की रेकी और अब सैफ अली खान को मिली जान से मारने की धमकी. इन घटनाओं ने मुंबई पुलिस से लेकर पूरी फिल्म इंडस्ट्री तक की चिंता बढ़ा दी है. फिल्म फेडरेशन ने महाराष्ट्र के ष्टरू मुंबई पुलिस और गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर बड़े कलाकारों, निर्माता-निर्देशकों और यहां तक कि शूटिंग सेट पर काम करने वाले जूनियर आर्टिस्ट और तकनीकी कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है.



FWICE के अध्यक्ष बीएन तिवारी के अनुसार लगातार सामने आ रहे धमकियों के मामले से हजारों मजदूरों की बात करने वाली फिल्म फेडरेशन परेशान है. फेडरेशन को लग रहा है कि अगर कहीं किसी शूटिंग स्थल पर कोई अप्रिय घटना होती है तो हजारों लोगों की रोजी रोटी प्रभावित हो जाएगी. इसलिए जिन्हें धमकी मिली या दी जा रही है, उनके लिए फेडरेशन लिखित में पुलिस से सुरक्षा की मांग कर रही है.

एक्शन में मुंबई पुलिस

बता दें कि सितारों को मिल रही धमकियों के बीच मुंबई पुलिस भी एक्शन में है. हाल ही में पुलिस ने स्टार्स की सुरक्षा का रिव्यू करने के बाद जरूरत अनुसार सुरक्षा बढ़ाई भी है. अमिताभ बच्चन के बंगले जलसा के बाहर सुरक्षा गार्डों के साथ मुंबई पुलिस के हथियारबंद जवान तैनात किए गए हैं. अतिरिक्त बैरिकेडिंग की गई है और हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरों के जरिए आसपास के इलाके पर नजर रखी जा रही है. बंगले के आसपास पार्किंग को लेकर भी सख्ती की गई है. सुरक्षा के मद्देनजर प्रतिबंधित क्षेत्र में अनावश्यक आवाजाही और फोटो-वीडियो बनाने पर भी पाबंदियां लगाई गई हैं.

अमिताभ बच्चन ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की सुरक्षा को लेकर भी मुंबई पुलिस सतर्क है. कुछ दिन पहले जुहू स्थित उनके आवास के बाहर हथियारबंद पुलिसकर्मियों की तैनाती की जानकारी सामने आई. टाइगर श्रॉफ फायरिंग मामले की जांच के दौरान अक्षय कुमार समेत कुछ अन्य फिल्मी हस्तियों के नाम संभावित निशाने पर होने की जानकारी पता चली थी.

क्या फरहाना भट्ट बनेंगी नई नागिन? खुद एक्ट्रेस ने बताई सच्चाई



टीवी की दुनिया में इन दिनों एकता कपूर के सुपरहिट सुपरनैचुरल शो 'नागिन' के अगले सीजन को लेकर जबरदस्त हलचल मची हुई है. हाल ही में एकता कपूर ने बड़ा हिंट दिया था कि वो 'नागिन 9' नाम से नया सीजन ला सकती हैं, जिसके बाद से ही नई लीड एक्ट्रेस के नाम को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है. इसी बीच सोशल मीडिया पर 'बिग बॉस 19' फेम एक्ट्रेस फरहाना भट्ट के 'नागिन 9' का हिस्सा बनने की खबरें तेजी से वायरल होने लगीं. अब खुद फरहाना ने सामने आकर इन तमाम अफवाहों पर विराम लगा दिया है.फरहाना भट्ट ने शुक्रवार (20 नवंबर) को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक आधिकारिक नोट शेयर करते हुए साफ किया कि उनका 'नागिन 9' से कोई लेना-देना नहीं है. एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में लिखा, सिर्फ स्पष्ट करने के लिए बता दूं कि मेरे 'नागिन' का हिस्सा होने को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं, और मैं बस ये बताना चाहती हूं कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं है और मैं इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हुई नहीं हूं. हालांकि, शो से जुड़ने की खबरों को खारिज करते हुए फरहाना ने मेकर्स और टीम के प्रति पॉजिटिव रुख दिखाया. उन्होंने आगे लिखा, हालांकि, 'नागिन' की पूरी टीम को ढेर सारा प्यार और इस नए सफर के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं.

आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर दिया बड़ा हिंट

इस सफाई के साथ ही फरहाना ने अपने फैंस को निराश नहीं होने दिया और इशारा किया कि वे जल्द ही किसी नए प्रोजेक्ट की घोषणा करने वाली हैं. अपने नोट के अंत में उन्होंने लिखा, मैं बहुत जल्द आप सभी के साथ अपने नए प्रोजेक्ट से जुड़े कुछ रोमांचक अपडेट्स साझा करने के लिए उत्सुक हूं. इतने प्यार और उत्सुकता के लिए शुक्रिया. तब तक जुड़े रहें!

'बिग बॉस 19' के बाद लगातार सुर्खियों में हैं फरहाना

गौरतलब है कि सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में फर्स्ट रनर-अप रहने के बाद से ही फरहाना भट्ट की लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ है. घर के अंदर उनकी बेबाक शख्सियत और शानदार सफर ने उन्हें दर्शकों का चहेता बना दिया था. इसके बाद वे 'खतरों के खिलाड़ी 15' में भी अपना दमखम दिखा चुकी हैं. ऐसे में फैंस बेसब्री से उनके अगले बड़े प्रोजेक्ट का इंतजार कर रहे हैं, जिसका खुलासा वे जल्द करने वाली हैं.

धीरज धूपर और विनी अरोड़ा के घर फिर गूंजेगी किलकारी, कपल ने किया दूसरी प्रेगनेंसी का ऐलान



टीवी इंडस्ट्री के मशहूर कपल धीरज धूपर और विनी अरोड़ा एक बार फिर अपने घर में नन्हे मेहमान का स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं. दोनों दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं. विनी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी दी है. पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी को लेकर खबरें सामने आ रही थीं, लेकिन अब उन्होंने खुद इस पर मुहर लगा दी है.धीरज धूपर लॉकअप 2 में नजर आए थे.

जिसमें उनकी गेम को काफी पसंद किया गया था. हालांकि, वो शो जीत नहीं पाए. लेकिन अब उनके घर जल्द खुशखबरी आने वाली है. एक्टर की पत्नी विनी ने अपना बेबी बंप दिखाते हुए वीडियो भी शेयर किया है और अपने फैंस के साथ गुडन्यूज शेयर की है.

दूसरी बार प्रेगनेंट हैं धीरज की पत्नी विनी

विनी अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है. इसमें वह खूबसूरत ग्रीन गाउन पहने अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं. वीडियो में एक्ट्रेस काफी खुश दिखाई दे रही हैं और कैमरे के सामने पोज दे रही हैं. इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक नन्हा चमत्कार, एक बार फिर.

एक बेटे के पेरेंट्स हैं धीरज-विनी

बता दें कि विनी और धीरज पहले से ही एक बेटे के माता-पिता हैं. उनके बेटे का नाम जेन है, जिसका जन्म 10 अगस्त 2022 को हुआ था. हाल ही में कपल ने साथ रहने के 10 साल पूरे होने का जश्न भी मनाया था. इसके अलावा दोनों ने हाल ही में अमृतसर के गोल्डन टेंपल में माथा टेकने की तस्वीरें भी शेयर की थीं.

टीवी सितारों ने दी कपल को बधाई

विनी की प्रेग्नेंसी की खबर सामने आते ही टीवी इंडस्ट्री के कई सितारों ने कमेंट सेक्शन में कपल को बधाई दी है. एक्ट्रेस वाहबिज दोराबजी ने लिखा, ओह माय गॉड! कितना बड़ा सरप्राइज है. मैं उस दिन पार्टी में इसका अंदाजा भी नहीं लगा पाई थी. बधाई हो. वहीं, फलक नाज ने भी कपल को बधाई देते हुए लिखा, और मैं कह रही हूं कि इस बार बेटी ही होगी. सोशल मीडिया पर फैंस भी विनी और धीरज को इस नई खुशी के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं.

भारत की विस्फोटक ओपनिंग जोड़ी बनेगी पाकिस्तान के लिए खतरा

दोहा, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला हमेशा रोमांच से भरपूर रहता है। अब एक बार फिर दोनों देशों की टीमें 22 नवंबर को दोहा में आमने-सामने होंगी। एशिया कप राइजिंग स्टार्स के इस मुकाबले में भारत-ए और पाकिस्तान-ए (पाकिस्तान शाहीस) के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। हालांकि, टीम इंडिया अपनी मजबूत बल्लेबाजी और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के दम पर मुकाबले में मजबूत दावेदार मानी जा रही है।भारत-ए के पास अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी जैसे आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं। दोनों शुरुआती ओवरों में तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान के मोहम्मद हसनैन, अहमद दानियाल और अली



एशिया कप राइजिंग स्टार्स.... भारत-ए बनाम पाकिस्तान-ए मुकाबला आज

रजा पर नई गेंद से विकेट निकालने की जिम्मेदारी होगी।कप्तान तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, आयुष बदोनी और कुमार कुशाग्र भारतीय मध्यक्रम को मजबूती देते हैं। तिलक और कुशाग्र नेपाल के खिलाफ शतक लगाकर अपनी फॉर्म साबित कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान को अब्दुल समद, हसन नवाज और हैदर अली से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी।दोहा की धीमी पिच पर स्पिन गेंदबाज अहम साबित हो सकते हैं। पाकिस्तान के सुफियान मुकिम और साद मसूद भारतीय बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। भारत के पास भी शाहबाज अहमद, तनुष कोटियन और विप्रज निगम जैसे विकल्प हैं।

तेज गेंदबाजी में कड़ा मुकाबला

भारत के हर्षित राणा और प्रिंस यादव शानदार फॉर्म में हैं। नेपाल के खिलाफ दोनों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। वहीं, पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी में हसनैन और अली रजा की भूमिका अहम होगी। भारत-पाकिस्तान मुकाबले में मानसिक मजबूती भी निर्णायक होगी। तिलक, रिंकू और अभिषेक जैसे खिलाड़ियों के पास बड़े मैचों का अनुभव है। हालांकि, पाकिस्तान शाहीस भी दोहा की परिस्थितियों से अच्छी तरह परिचित है।

भारत-ए जीत की प्रबल दावेदार

कुल मिलाकर बल्लेबाजी की गहराई, मजबूत मध्यक्रम और अनुभवी खिलाड़ियों के चलते भारत-ए का पलड़ा भारी नजर आता है। पाकिस्तान की जीत के लिए शुरुआती विकेट लेना और भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखना बेहद जरूरी होगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि 22 नवंबर को दोहा में किस टीम का प्रदर्शन बेहतर रहता है।

मलयेशियाई जोड़ी ने दी शिकस्त

सात्विक और चिराग हॉन्गकॉन्ग ओपन के सेमीफाइनल में हारे

कोवलून। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी हॉन्गकॉन्ग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मलयेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी मान वेई चोंग और टी काई वुन से सीधे गेम में हार गई। इस साल सिंगापुर और चीन में खिताब जीतने वाली और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी को 41 मिनट तक चले सेमीफाइनल में 18-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।



मैच में शुरू से ही दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और वे लगभग बराबरी के साथ आगे बढ़ते रहे। पहले गेम में स्कोर 4-4 से 7-7 हो गया। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली और 10-10 के स्कोर पर मलयेशिया की टीम ने अंक बनाकर इंटरवल तक मामूली बढ़त हासिल की।

सात्विक और चिराग ने इसके बाद भी कड़ी चुनौती दी लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने अपनी बढ़त बरकरार रखी तथा 18-19 के स्कोर के बाद दो गेम प्वाइंट हासिल किए और पहले पर ही गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय जोड़ी ने एक समय 7-3 की बढ़त बना ली, लेकिन मलेशिया की जोड़ी ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 9-7 कर दिया। वे इंटरवल तक दो अंकों की बढ़त बनाए रखने में कामयाब रहे।

मलयेशियाई टीम ने अपनी बढ़त को 14-9 कर दिया। सात्विक और चिराग ने इसके बाद अच्छी वापसी करके स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। इसके बाद मलयेशियाई खिलाड़ियों ने चिराग को निशाना बनाकर मैच पॉइंट हासिल किया और फिर मैच जीत लिया।

वेलिंगटन टेस्ट: न्यूजीलैंड के घर में भारतीय बल्लेबाजों ने दिखाया दम

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। तीसरा दिन पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा और कीवी गेंदबाजों को आज सिर्फ तीन ही सफलता मिली। भारत के लिए केएल राहुल ने शतकीय पारी खेली, जबकि कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूक गए। दिन के खेल की समाप्ति तक भारत ने पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन बनाए हैं और उसे 118 रन की बढ़त मिल चुकी है। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत 55 और नाइट वॉचमैन के तौर पर उतरे अंशुल कंबोज खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे।



कप्तान शुभमन गिल दो रन से शतक लगाने से चूके

टॉप-5 ने बनाए 50+ रन, तीन शतकीय साझेदारी

गेंदबाजों पर बनाया दबाव

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। भारत ने अच्छी बल्लेबाजी की और तीसर दिन शनिवार को एक विकेट पर 159 रन से आगे खेलना शुरू किया और आज 325 रन बनाए। भारत को तीन झटके देवदत्त पडिक्कल, केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगे। राहुल ने टेस्ट करियर का 13वां शतक लगाया। उन्होंने पडिक्कल के साथ 165 रन की साझेदारी निभाई। पडिक्कल ने भी दूसरा टेस्ट अर्धशतक लगाया। पडिक्कल 175 गेंद में 10 चौके की मदद से 80 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, राहुल ने 290 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 136 रन की पारी खेली। इसके अलावा कप्तान गिल स्टंप्स से ठीक पहले 98 रन बनाकर आउट हुए और 12वें शतक से दो रन से चूक गए। उन्हें जैकब डफी



ने क्लीन बोल्ड किया। गिल ने पंत के साथ 100 रन की साझेदारी निभाई। भारतीय पारी की खास बात यह रही कि शीर्ष पांच बल्लेबाजों ने 50+ स्कोर किए। पंत ने भी 55 गेंद में टेस्ट करियर का 22वां अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले शुक्रवार को यशस्वी जायसवाल 89 गेंद में 16 चौके की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए थे।

राहुल की ऐतिहासिक पारी

केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 203 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 13वां शतक है। इसके साथ ही राहुल स्थह (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय ओपनर बन गए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के दूसरे ओपनर हैं। उनसे पहले पाकिस्तान के सईद अनवर ऐसा कर चुके हैं। राहुल ने इस शतक के साथ एक खास अंतरराष्ट्रीय सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है। एशियाई बल्लेबाजों में मोहम्मद अजहरुद्दीन, सचिन तेंदुलकर, सईद अनवर, राहुल द्रविड़, यूनिस खान, कुमार संगकारा, विराट कोहली और केएल राहुल ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने चारों देशों में टेस्ट शतक लगाए हैं। हालांकि, इनमें सिर्फ सईद अनवर और केएल राहुल ही ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने बतौर ओपनर यह उपलब्धि हासिल की है। स्थह देशों में भारतीय ओपनरों के टेस्ट शतकों की सूची में सुनील गावस्कर शीर्ष पर हैं।

फुटबाल

इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन हुए चोटिल महीनों तक रहना पड़ सकता है बाहर

लंदन। इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन बायर्न म्यूनिख और कोलोन के बीच 1-1 से ड्रॉ रहे मैच के दौरान चोटिल हो गए जिसके कारण उन्हें 'अगले कुछ महीनों' तक खेल से बाहर रहना पड़ सकता है। उनके बाएं टखने में 'लिगामेंट' फट गया है और इस बैलोन डि ओर विजेता को पूरी तरह फिट होने में कुछ महीने का समय लगेगा।कोलोन के डिफेंडर जोएल श्मिड ने केन को पेनल्टी एरिया में गिरा दिया। केन दर्द से कराह उठे। उन्होंने हालांकि थोड़ी देर के लिए खेलना जारी रखा लेकिन जल्द ही मैदान पर उपचार लेने के बाद दो फिजियोथेरेपिस्ट के साथ मैदान से लंगड़ाते हुए बाहर चले गए। बायर्न यूनिख ने बयान में कहा, 'हैरी केन शुक्रवार को बायर्न म्यूनिख के बुंडेसलिगा में कोलोन के खिलाफ घरेलू मैच के दौरान चोटिल हो गए।



विवाद

पूर्व पति से जुड़ा मामला, मुक्केबाज मैरी कॉम को कोर्ट ने दिया नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज मैरी कॉम के खिलाफ आपराधिक मानहानि के मामले में औपचारिक संज्ञान लेने से पहले नोटिस जारी किया। यह मामला मैरी काम के पूर्व पति ने दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मैरी काम ने एक टेलीविजन इंटरव्यू के दौरान उनके बारे में झूठी और छवि खराब करने वाली टिप्पणियां की थीं। मैरी कॉम के पूर्व पति करोंग ओंखोलर ने छह अक्तूबर को शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि मैरी काम ने उनके वैवाहिक संबंध खत्म होने के बाद इस साल 11 जनवरी को प्रसारित एक टेलीविजन कार्यक्रम में उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवम गुप्ता ने यह देखते हुए नोटिस जारी किया कि ओंखोलर की ओर से समन जारी करने से पहले पेश किए जाने वाले साक्ष्य की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।



दोषी

डोपिंग में फंसी भारतीय एथलीट किरण बालियान, 8 साल का बैन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेलों से डोपिंग का दाग छूटने का नाम नहीं ले रहा है और एक बार फिर मेडल विजेता खिलाड़ी ने अपनी हरकत से देश को शर्मिंदा किया है. एशियन गेम्स 2022 में विमेंस शॉट पुट की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट किरण बालियान को एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और इसके चलते 8 साल के लिए बैन कर दिया गया है. नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा.



नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने किरण बालियान को 2 मामलों में दोषी पाते हुए 4-4 साल का बैन लगाया है, जो 2024 से शुरू माना जाएगा और 2032 तक बरकरार रहेगा.

यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं

सूर्यकुमार की वापसी के रास्ते बंद!

मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर रहे कप्तानी, प्रदर्शन रहा शानदार



बीसीसीआई के सूत्र के मुताबिक-फिलहाल उनके लिए जगह उपलब्ध नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले सूर्यकुमार यादव राष्ट्रीय टीम में वापसी की जुगत में लगे हुए हैं। सूर्यकुमार की वापसी की राह हालांकि मुश्किल नजर आ रही है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्र के मुताबिक, सूर्यकुमार यादव अब चयनकर्ताओं की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद फिलहाल भारतीय टीम में उनके लिए जगह नहीं बन पा रही है।

सूर्यकुमार की वापसी पर आया अपडेट

बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, 'सूर्यकुमार फिलहाल हमारी चयन योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। हम तो अभी तक सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी के लिए भी जगह नहीं बना पाए हैं।' सूत्र ने आगे कहा कि सूर्यकुमार यादव कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं, लेकिन मौजूदा भारतीय टीम के संयोजन में उन्हें शामिल करना मुश्किल है। सूत्र ने कहा, हां, सूर्यकुमार कड़ी मेहनत कर रहे हैं और लिस्ट ए क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, सवाल यह है कि मौजूदा भारतीय टीम में हम उन्हें कहां फिट कर सकते हैं। फिलहाल उनके लिए कोई जगह उपलब्ध नहीं है। हम सफेद गेंद के क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी को भी जगह नहीं दे पा रहे हैं, तो मौजूदा टीम में सूर्यकुमार को कहां फिट करेंगे? फिलहाल हम उन्हें टीम में शामिल करने पर विचार नहीं कर रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में दम दिखा रहे सूर्यकुमार

मालूम हो कि सूर्यकुमार यादव ने 2026 टी20 विश्व कप में भारतीय टीम की कप्तानी की थी और टीम को लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, आईपीएल के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया और उनकी जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान नियुक्त किया गया। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 में मुंबई की कप्तानी करते हुए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने 14 नवंबर को हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में महज 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली थी। उनकी इस पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे।

29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल

इसके बाद गुजरात के खिलाफ भी सूर्यकुमार का बल्ला जमकर चला। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर 82 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और सात छक्के शामिल थे। उनकी इस विस्फोटक पारी की मदद से मुंबई ने 199 रन का लक्ष्य महज 15.4 ओवर में पांच विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। वहीं, गोवा के खिलाफ तीसरे मुकाबले में भी सूर्यकुमार ने तेज बल्लेबाजी करते हुए 12 गेंदों पर 25 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने तीन छक्के लगाए। मुंबई ने यह मुकाबला 18 रन से अपने नाम किया। अच्छी पारियों के बावजूद सूत्र के बयान से साफ है कि फिलहाल भारतीय टीम में उनकी वापसी को लेकर चयनकर्ता विचार नहीं कर रहे हैं।

बेमिसाल रहा है सूर्यकुमार का टी-20 करियर

मैदान के चारों ओर शॉट खेलने की काबिलियत के कारण 'मिस्टर 360' के नाम से मशहूर सूर्यकुमार के आंकड़े बेहद शानदार हैं। उन्होंने भारत के लिए 113 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 36.35 की औसत और 162.98 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 3,272 रन बनाए हैं। इसमें 4 शतक और 25 अर्धशतक शामिल हैं। साल 2022 में वे दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बने थे और 2022 व 2023 में लगातार दो बार टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुने गए थे। अब देखना यह होगा कि घरेलू क्रिकेट में इस दमदार प्रदर्शन के बाद सिलेक्टर्स अपने फैसले पर दोबारा विचार करते हैं या नहीं।

घरेलू क्रिकेट में जमकर बोल रहा है सूर्या का बल्ला

टीम इंडिया से बाहर होने के बावजूद सूर्यकुमार ने हार नहीं मानी है और वे घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं। उनकी बल्लेबाजी का पुराना अंदाज देखने को मिल रहा है:

हैदराबाद के खिलाफ: 14 नवंबर को उन्होंने महज 15 गेंदों में फिफ्टी जड़ी और 21 गेंदों पर नाबाद 60 रन (6 चौके, 5 छक्के) बनाकर मुंबई को 7 विकेट से जीत दिलाई।

गुजरात के खिलाफ: सूर्या ने 29 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 7 छक्के शामिल थे। इस पारी की बदौलत मुंबई ने 199 रनों का बड़ा लक्ष्य 15.4 ओवर में हासिल कर लिया।

गोवा के खिलाफ: उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 25 रन ठोके और टीम को 18 रनों से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

मणिपुर में जहरीली शराब पीने से 15 की मौत, तीन लोगों की हालत गंभीर

- 600 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती, इस साल 6 राज्यों में 120 की जा चुकी है जान

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के चंदेल जिले में जहरीली शराब पीने से 15 लोगों की मौत हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 600 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले 2 से 3 दिनों में यह मामला सामने आया है। लोगों की तबीयत शराब पीने के बाद बिगड़ी। हालांकि शराब कहां से लाई गई थी, इसकी सही जानकारी उनके पास नहीं है। साल 2026 में जहरीली शराब पीने से मध्यप्रदेश, गुजरात समेत 6 राज्यों में 120 से ज्यादा लोग जान गवां चुके हैं। पुलिस के मुताबिक प्रभावित लोगों ने जो शराब पी थी, उसे मणिपुर के काकचिंग जिले के सुगनू से खरीदा गया था। जांच में शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की आशंका है। इस मामले में अब तक करीब 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि चंदेल जिले में स्थानीय स्तर पर शराब बनाने की कोई जानकारी नहीं मिली है। ऐसे में आशंका है कि दूसरे इलाकों से शराब लाकर यहां बेची गई थी। पुलिस शराब सप्लाई करने वालों की तलाश कर रही है।

मेटा कार्यालयों पर यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन : तोड़फोड़, हंगामा और एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) ने हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम में मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) के कार्यालयों के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन आईवाईसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा के इंस्टाग्राम खातों को 19 नवंबर को निलंबित करने के विरोध में था। यूथ कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई भाजपा के कहने पर हुई थी। संगठन ने सात दिनों के भीतर खातों को बहाल करने की मांग की थी, अन्यथा देशभर में प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। हैदराबाद में प्रदर्शनकारी कार्यालय के अंदर घुस गए, जहां तोड़फोड़ कर एक गमला को तोड़ दिया गया। पुलिस ने तेलंगाना यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जक्किडी शिव चरण रेड्डी के नेतृत्व में 20-21 कार्यकर्ताओं को एहतियातन हिरासत में लिया, हालांकि करीब तीन घंटे बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। मुंबई में, कार्यकर्ताओं ने बिल्डिंग के शीशे पर आरएसएस का बेटा मेटा का नारा लिखा, जिससे शीशे को नुकसान पहुंचा। यहीं प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय आईटी और सूचना-प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव का पोस्टर भी जलाया। मुंबई पुलिस ने मामले में यूथ कांग्रेस अध्यक्ष जीना सबरीन सहित चार लोगों और 15-20 अज्ञात महिलाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 और महाराष्ट्र प्रिवेंशन ऑफ डिफेसमेंट ऑफ प्रॉपर्टी एक्ट, 1995 की धारा 3 सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उनके कार्यकर्ताओं के मेटा कार्यालयों पर पहुंचने के 15 मिनट के भीतर निलंबित खाते बहाल किए गए। संगठन ने सवाल उठाया कि ये खाते किसके आदेश पर निलंबित किए गए थे और क्या भारतीयों को अपनी आवाज उठाने के लिए हमेशा मेटा कार्यालयों का रुख करना होगा।

सांसद अमृतपाल दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने पैतृक गांव पहुंचे

अमृतसर, एजेंसी। पंजाब के खडूर साहिब से लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह शनिवार को अमृतसर स्थित अपने पैतृक गांव जल्लूपुर खेड़ा पहुंचे हैं। वे अपनी दादी चरण कौर के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आए है। पुलिस उन्हें बुलेटप्रूफ गाड़ी में अमृतसर एयरपोर्ट से लाई और पिछले रास्ते से निकाला। अमृतसर कोर्ट से अमृतपाल को शनिवार दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक, कुल तीन घंटे की कस्टडी पैरोल मिली है। इस दौरान उन्हें हथकड़ी नहीं लगाई गई। अमृतपाल की दादी का निधन 8 नवंबर को हुआ था, लेकिन परिवार ने उनके आने तक अंतिम संस्कार रोक रखा था।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का राहुल गांधी पर पलटवार, 1962 युद्ध पर कांग्रेस से माफी की मांग

एपीईसी का सदस्य नहीं भारत, राहुल गांधी को इतना भी नहीं पता

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के कम्प्रोमाइज्ड पीएम वाले बयान पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने राहुल गांधी से चार तीखे सवाल पूछे और 1962 के भारत-चीन युद्ध, देश में गरीबी तथा पिछली आर्थिक स्थिति के लिए कांग्रेस से माफी की मांग की। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दरअसल राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष कर कहा था कि एक कम्प्रोमाइज्ड पीएम कभी वैश्विक नेताओं की उस मेज पर नहीं बैठ सकता। यह बयान राहुल द्वारा साझा की गई 19 नवंबर 2026 की एक तस्वीर के बाद आया, जिसमें चीन के शेनझेन में हुए एपीईसी शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक साथ बैठे दिख रहे थे। इस तस्वीर को पोस्ट कर राहुल गांधी ने लिखा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में होती, तब भारत के प्रधानमंत्री



इस मेज पर होते। हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत एपेक का सदस्य नहीं है। इस त्रिपक्षीय बैठक में परमाणु हथियारों पर नियंत्रण, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और यूक्रेन व ईरान के संघर्षों पर चर्चा हुई थी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान को देश विरोधी बताकर कांग्रेस से अतीत की गलतियों का हिसाब मांगा। उनके रुख का समर्थन करते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष ने भी राहुल गांधी से सवाल किया। राष्ट्रीय महासचिव संतोष ने कहा कि 1947 से 1977, 1980 से 1989, 1991 से 1996 और 2004 से 2014 तक कांग्रेस सत्ता में थी और कई बार भारी बहुमत भी था, तब यूएनएससी सहित किन बड़े वैश्विक मंचों पर भारत उस दौरान बैठा था?

राहुल गांधी ने पीएम मोदी की आर्थिक नीतियों, खासकर नोटबंदी और जीएसटी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इन कदमों ने छोटे व्यापारियों को बर्बाद किया है और बड़ी कंपनियों के लिए मैदान साफ कर दिया है, इससे देश में कारोबार के क्षेत्र में एकाधिकार बढ़ा है। राहुल गांधी के मुताबिक, एकाधिकार से कीमतें बढ़ती हैं और प्रतिस्पर्धा खत्म होती है, जिससे नौकरियां पैदा नहीं होतीं। पीएम मोदी ने इससे पहले कॉरपोरेट टैक्स में कटौती के बावजूद कंपनियों द्वारा कर्मचारियों की सैलरी और संख्या न बढ़ाने पर सवाल उठाया था।

सीएम योगी की मां का हरिद्वार में हुआ अंतिम संस्कार, छोटे भाई ने दी मुखाग्नि

- सीएम धामी, बाबा रामदेव, स्वामी चिदानंद हुए शामिल, शुक्रवार को हुआ था निधन

हरिद्वार, एजेंसी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का अंतिम संस्कार हरिद्वार के चंडीघाट पर किया गया। सीएम योगी के छोटे भाई ने मुखाग्नि दी। इस दौरान यहां उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, बाबा रामदेव, स्वामी चिदानंद सरस्वती और अन्य लोग मौजूद थे। बता दें योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को पौड़ी गढ़वाल जिले में उनके पैतृक गांव पंचूर में निधन हो गया था। वह पिछले काफी समय से बीमार थीं। सावित्री देवी के परिवार में चार बेटे और तीन बेटियां हैं। आदित्यनाथ, चारों बेटों में दूसरे स्थान पर हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी के बड़े भाई मानवेंद्र सिंह बिष्ट और सबसे छोटे भाई महेंद्र सिंह बिष्ट गांव के निकट बिथ्याणी महाविद्यालय में कार्यरत हैं जबकि एक अन्य छोटे भाई शैलेंद्र मोहन बिष्ट भारतीय सेना के गढ़वाल राइफल में ऑर्डिनरी कैप्टन हैं। सीएम योगी की एक बहन पुष्पा चौधरी दिल्ली में और दूसरी बहन कौशल्या देवी कोटद्वार में रहती हैं जबकि तीसरी बहन शशि पायल ऋषिकेश के निकट स्थित प्रसिद्ध नीलकंठ मंदिर के पास व्यवसाय करती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी आदित्यनाथ की मां के निधन पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और पूरे परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करें। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस गहरे दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। बाबा रामदेव ने कहा कि आदरणीय माता सावित्री देवी ने अपना नश्वर शरीर त्याग दिया है और ईश्वर के चरणों में स्थान प्राप्त किया है। हम उन्हें केवल एक साधारण माता के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र की माता के रूप में देखते हैं।

देश, धर्म और संविधान की रक्षा के लिए सनातनियों को एकजुट होना होगा: धीरेंद्र शास्त्री

- मणिपुर की जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 306 की जा चुकी है जान

प्रतापगढ़, एजेंसी। कथा वायक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कुंडा में चल रही राम कथा के समापन के अवसर पर हिंदू एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश, धर्म और संविधान की रक्षा के लिए सनातनियों को एकजुट होना होगा। इस दौरान शास्त्री ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को लेकर पूछे गए सवालों का भी जवाब दिया। शास्त्री ने कहा कि देखिए, यह इस देश और हिंदुओं का दुर्भाग्य है कि एक हिंदू दूसरे हिंदू का ही विरोध करता है, क्योंकि हिंदू काफी दब्बू होते हैं और पलटकर जवाब नहीं देते लेकिन कुंडा से हिंदुओं ने पलटकर जवाब देना सीख लिया है कि अब अगर आप हमें उकसाएंगे, तो बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह तय है, अयोध्या तो झांकी थी, मथुरा काशी बाकी है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा की रक्षा के लिए सभी को एक मंच पर आना होगा। जाति और क्षेत्र के नाम पर बांटने के बजाय एकता को ही सबसे बड़ी ताकत बनाना होगा। उन्होंने युवाओं से भी धर्म और संस्कृति से जुड़े रहने की अपील की। हिंदू एकता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कई लोग हिंदू एकता से डरते हैं। वे सनातन एकता से डरते हैं। कुछ लोग अपनी जाति-आधारित राजनीति साधना चाहते हैं, इसलिए उनके मन में कहीं न कहीं कुंठा भरी होती है और जो कुंठित रहता है, वह बैकुंठ नहीं पहुंच पाता। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को बांटकर राजनीति करते हैं, वे अंत में खुद ही कमजोर हो जाते हैं। एकता ही सनातन की असली पहचान है। अखिलेश यादव से जुड़े सवाल पर शास्त्री ने कहा कि हम सभी दलों के हैं, एक गुरु सबका होता है क्योंकि अगर कोई गुरु सिर्फ एक व्यक्ति का हो जाए, तो वह फिर गुरु नहीं रहता। सूरज सबका होता है और उसी तरह एक गुरु भी सबका होता है। अभी हम पंजाब में एक कथा करने जा रहे हैं।

विदेशी नागरिक होने के बावजूद मारुति कंपनी में 50 फीसदी की थी हिस्सेदार

बीजेपी सांसद ने मारुति परियोजना को लेकर सोनिया गांधी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली , एजेंसी । बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने मारुति परियोजना को लेकर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पर सवाल उठाए। अपनी सोशल मीडिया सीरीज कांग्रेस का काला अध्याय की 250वीं कड़ी में उन्होंने दावा किया कि विदेशी नागरिक होने के बावजूद सोनिया गांधी 1970 के दशक में मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एमटीएस) की निदेशक और 50 फीसदी हिस्सेदार थीं। दुबे ने आरोप लगाया कि तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी की सरकार ने गांधी परिवार से जुड़ी कंपनी को कई तरह की सरकारी सुविधाएं दीं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबे ने दावा किया कि 21 नवंबर 1970 को संजय गांधी ने मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया था। उन्होंने सवाल उठाया कि



कंपनी को 1968 में ही कार बनाने की अनुमति कैसे मिल गई, जबकि एमटीएस का गठन नवंबर 1970 में हुआ था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 1969 में इंदिरा गांधी की कैबिनेट ने संजय गांधी की कार परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए विशेष आदेश जारी किया था।

दुबे ने हरियाणा में मारुति परियोजना के लिए जमीन आवंटन पर भी सवाल उठाए। उनका दावा है कि उस समय के नियमों के तहत किसी विदेशी नागरिक के नाम पर जमीन आवंटित नहीं की जा सकती थी। उन्होंने 1969 में बैंकों के राष्ट्रीयकरण को भी गांधी परिवार से जुड़ी कंपनियों को कर्ज उपलब्ध कराने के आरोप से जोड़ा। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी के चालू होने से पहले ही राज्य सरकारों से बस बॉडी बनाने के लिए एडवांस भुगतान कराया गया और सरकारी कंपनियों ने बिना भुगतान सीमेंट, स्टील तथा कोयले की आपूर्ति की।

मारुति विवाद से जुड़ा एक अहम तथ्य 22 अप्रैल 1975 को लोकसभा में दिए गए तत्कालीन सरकारी जवाब में भी दर्ज है। इसमें कंपनी रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड के हवाले से कहा गया था कि सोनिया गांधी कभी मारुति लिमिटेड की निदेशक नहीं रहीं। हालांकि, यह जवाब मारुति लिमिटेड के बारे में था, न कि मारुति टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के बारे में. दोनों कंपनियों को एक समझना सही नहीं होगा।

दुबे ने अपनी पोस्ट के आखिर में सोनिया गांधी से मारुति परियोजना और उससे जुड़ी कंपनियों के गठन, हिस्सेदारी तथा सरकारी मदद को लेकर स्पष्टीकरण देने की मांग की। उन्होंने सवाल किया कि गांधी परिवार ने निजी निवेश के बिना इतना बड़ा कारोबारी उपक्रम कैसे खड़ा किया।

कोटा से 8 साल बाद पाकिस्तान के लिए सिख जत्था रवाना, बिरला के प्रयासों से मिला वीजा

कोटा, एजेंसी। लगभग आठ साल के लंबे इंतजार के बाद, कोटा के 12 सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन के लिए रवाना हो गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विशेष प्रयासों से इन श्रद्धालुओं को पाकिस्तान का वीजा मिल सका। शुक्रवार सुबह सभी श्रद्धालु स्वर्ण मंदिर मेल से अमृतसर के लिए रवाना हुए। कोटा रेलवे स्टेशन पर महापौर अनसुइया गोस्वामी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। यह यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि वर्षों से अधूरी एक भावना को भी पूरा करने का अवसर है। श्रद्धालुओं ने बताया कि अंतिम बार वर्ष 2019 में कोटा से सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान गया था। इसके बाद कोरोना महामारी और सोसायटी के तत्कालीन प्रधान के निधन के कारण पाकिस्तान यात्रा के लिए आवश्यक प्रक्रिया और विभागीय औपचारिकताओं की जानकारी के अभाव में जत्थे का जाना बंद हो गया था।

अगर पीओके भारत में वापस आता है यह भू-राजनीतिक और आर्थिक मायनों में गेमचेंजर होगा

चीन को लगेगा झटका, सीपीईसी ड्रैगन की परियोजना अपने आप ठप हो जाएगी

नई दिल्ली , एजेंसी। अगर पाकिस्तान के कब्जे वाला पीओके भारत में वापस आ जाता है, तो यह भारत के लिए सिर्फ एक क्षेत्रीय वापसी नहीं होगी, बल्कि कई भू-राजनीतिक और आर्थिक मायनों में एक गेमचेंजर साबित होगी। पीओके की घरवापसी भारत के लिए सेंट्रल एशिया तक पहुंचने का एक ऐसा शॉर्टकट होगा, जो न केवल ईरान के चाबहार पोर्ट पर हमारी मौजूदा निर्भरता को खत्म कर देगा, बल्कि चीन के सबसे महत्वाकांक्षी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना को भी करारा झटका देगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में भारत को सेंट्रल एशिया और यूरोप तक अपना सामान पहुंचाने के लिए हजारों किलोमीटर का लंबा और महंगा रास्ता अपनाना पड़ता है। पाकिस्तान द्वारा पीओके पर अवैध कब्जे के कारण, भारत का सेंट्रल एशिया से सीधा जमीनी संपर्क पूरी तरह कटा हुआ है। नतीजतन, भारत को इन देशों से व्यापार करने के लिए मुंबई या गुजरात के बंदरगाहों से पहले समुद्र के रास्ते ईरान के बंदर अब्बास तक जहाज भेजने पड़ते हैं, और वहां से ट्रेन और ट्रकों के जरिए ईरान और अफगानिस्तान होते हुए सामान सेंट्रल एशिया तक जाता है। यह रास्ता लंबा, महंगा होने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अमेरिकी प्रतिबंधों और क्षेत्र में युद्ध जैसे हालात के कारण अक्सर बाधित होता रहता है।

अगर पीओके खासकर इसका उत्तरी हिस्सा यानी गिलगित-बाल्टिस्तान, वापस भारत के पास आ जाता है, तो यह पूरी तस्वीर बदल देगा। गिलगित-बाल्टिस्तान की सीमा सीधे अफगानिस्तान के उस पतले से हिस्से से लगती है, जिसे वाखान कॉरिडोर कहा जाता है। यह कॉरिडोर एक संकरी पट्टी है जो एक तरफ ताजिकिस्तान यानी सेंट्रल एशिया को छूती है और दूसरी तरफ चीन को। पीओके की वापसी से भारत को सीधे वाखान कॉरिडोर तक पहुंच मिल जाएगी। इसका मतलब यह होगा कि भारत बिना पाकिस्तान की जमीन पर पैर रखे और बिना ईरान के समुद्र का चक्कर लगाए, सीधे सड़क और रेल के जरिए ताजिकिस्तान में दाखिल हो सकेगा। वहां से पूरे सेंट्रल एशिया और आगे रूस व यूरोप तक का सड़क नेटवर्क पहले से मौजूद है।

सेंट्रल एशियाई देश प्राकृतिक गैस, तेल, यूरेनियम और लिथियम जैसे दुर्लभ खनिजों के मामले में बेहद समृद्ध हैं। सीधा जमीनी रास्ता खुलने के बाद भारत सीधे पाइपलाइन या रेल टैंकरों के जरिए सेंट्रल एशिया से तेल



और गैस मंगा सकेगा, जिससे खाड़ी देशों पर भारत की ऊर्जा निर्भरता कम होगी। रणनीतिक लिहाज से पीओके की घरवापसी का सबसे बड़ा झटका चीन को लगेगा। चीन ने अरबों डॉलर खर्च करके सीपीईसी बनाया है, जो भारत की संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए गिलगित-बाल्टिस्तान से होकर गुजरता है। जिस दिन यह इलाका वापस भारत के कंट्रोल में आएगा, चीन का यह ड्रीम प्रोजेक्ट अपने आप ठप हो जाएगा और भारत सेंट्रल एशिया में चीन की दादागीरी को सीधी चुनौती देने की स्थिति में आ जाएगा।

हम प्रेशर ग्रुप ही बने रहना चाहते हैं, राजनीतिक दल बनने में कोई दिलचस्पी नहीं

सीजेपी नेता सौरभ दास का दावा-बीजेपी के कुछ समर्थक भी अब पार्टी से परेशान

नई दिल्ली , एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के सौरभ दास ने दावा किया है कि बीजेपी के कुछ मतदाता भी अब पार्टी से परेशान हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में उन्होंने इस संबंध में एक किस्सा भी साझा किया। सौरभ दास फिलहाल यूपी में सीजेपी के स्कूल ठीक करो अभियान के तहत स्कूलों का दौरा कर रहे हैं। पार्टी ने अभी तक किसी नए बड़े प्रदर्शन का ऐलान नहीं किया है। जब सौरभ दास से पूछा गया कि क्या बीजेपी के मतदाता भी सीजेपी का समर्थन कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा होते हुए देखा है। पॉडकास्ट में सौरभ ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल सीजेपी को एक राजनीतिक दल बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे अभी एक प्रेशर ग्रुप ही बने रहना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि जब वे सड़क पर चलते हैं, तो कई लोग उनके पास आकर तारीफ करते हैं और फिर अंत में कहते हैं कि वे वैसे तो बीजेपी के समर्थक थे, लेकिन अब नहीं हैं। इस दौरान उन्होंने एक बीजेपी समर्थक से मिलने का



अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में दिवाली पार्टी में एक व्यक्ति ने उन्हें पहचाना और उनके साथ फोटो खिंचवाई। उस व्यक्ति ने कहा कि वह बीजेपी समर्थक है, लेकिन बहुत कर रहे हैं। बहुत ज्यादा कर दिया है इन लोगों ने। सौरभ दास ने कहा कि वे इन फैन सिटर्स को बीजेपी के विरोध में होते हुए देख रहे हैं।

उन्होंने बीजेपी के मतदाताओं पर भी सवाल उठाए, विशेष रूप से मॉडरेट वोटर्स पर। उन्होंने कहा कि वे उन चरमपंथी मतदाताओं की बात नहीं कर रहे हैं जो एकदम ही ब्रेन वॉश हो गए हैं। उनका मानना है कि ऐसे लोगों को सच या वास्तविकता दिखाना कभी-कभी एक निराशाजनक खेल लगता है। उन्होंने इन मतदाताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि एक्यूआई 3000 प्लस होने के बावजूद वे कहते हैं कि पटाखे फोड़िए, क्योंकि इससे एक्यूआई में कोई फर्क नहीं पड़ता। दास ने स्वीकार किया कि ऐसे लोगों के लिए क्या किया जा सकता है, उन्हें इसका जवाब नहीं पता। सौरभ दास ने हाल ही में सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि वह उत्तर प्रदेश के स्कूलों का दौरा कर रहे हैं।

बता दें यूपी में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं, साथ ही गोवा, मणिपुर, उत्तराखंड और पंजाब में भी चुनाव होंगे। सीजेपी ने हाल ही में अपनी टीम का विस्तार किया है और यूपी, महाराष्ट्र, बिहार समेत 10 ज़ोन में टीमों का ऐलान किया है, जिसमें सबसे बड़ी टीम यूपी में उतारी गई है।

पूर्व एम्स डॉक्टर पर दुष्कर्म का आरोप, शादी का झांसा दे किया यौन शोषण

पटना, एजेंसी । पटना एम्स के पूर्व जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर सतन कुमार पर 28 वर्षीय युवती ने शादी का झांसा देकर तीन साल तक यौन शोषण और दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि डॉक्टर ने उस नशीला पदार्थ खिलाकर पहली बार दुष्कर्म किया, फिर शादी का वादा कर संबंध बनाता रहा। गर्भवती होने पर डॉक्टर ने उसका जबरन गर्भपात भी कराया और बाद में शादी से साफ इंकार किया। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, बिहटा निवासी पीड़िता का हाथ जलने के बाद वह इलाज के लिए पटना एम्स के प्लास्टिक सर्जरी विभाग पहुंची थी, जहाँ उसकी पहचान तत्कालीन जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर सतन कुमार से हुई। पीड़िता का कहना है कि दिसंबर 2022 में डॉक्टर ने मुझे इलाज के बहाने एम्स परिसर स्थित बॉयज हॉस्टल के कमरा नंबर 313 में बुलाया। वहां आरोपी सनत कुमार ने चाय-नाश्ते में नशीला पदार्थ दिया गया, जिससे वह बेहोश हो गई। होश में आने पर उसने खुद को अस्त-व्यस्त पाया और डॉक्टर पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया।

चक्रवाती तूफान अकवान के बाद आएगा कानी, मालदीव ने सुझाया नाम

नई दिल्ली, एजेंसी । बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवाती तूफान अकवान के बाद अगला चक्रवाती तूफान कौन-सा होगा और उसका नाम क्या रखा गया है। इस तरह के सवाल लोगों के मन दस्तक देने लगे है। हालांकि आने वाले चक्रवाती तूफान अकवान को लेकर तटीय राज्यों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। चक्रवातों के नामकरण की निर्धारित सूची के अनुसार, अकवान के बाद आने वाले तूफान का नाम कानी होगा। यह नाम मालदीव ने सुझाया है। उत्तरी हिंद महासागर यानी बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में उठने वाले चक्रवाती तूफानों के नामकरण के लिए 13 देशों की सूची तैयार की गई है। इसी सूची में ईरान की ओर से सुझाया गया अकवान नाम इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके बाद अगला नाम मालदीव का सुझाया हुआ कानी होगा। स्थानीय भाषा में कानी का अर्थ सुंदर युवती या युवा व्यक्ति बताया जाता है। कानी के बाद सूची में म्यांमार का सुझाया नाम नगामन आएगा। कानी तूफान के आने की फिलहाल कोई निश्चित तारीख नहीं है। मौसम विभाग ने अभी तक इस नाम से किसी नए चक्रवाती तूफान के बनने की चेतावनी जारी नहीं की है। दरअसल, चक्रवातों का निर्माण समुद्र में कम दबाव का क्षेत्र बनने, समुद्री सतह के तापमान और हवा की अनुकूल परिस्थितियों पर निर्भर



करता है। जब किसी मौसमी सिस्टम की हवा की रफ्तार कम से कम 62 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच जाती है, तब उसे चक्रवाती तूफान की श्रेणी में रखकर आधिकारिक नाम दिया जाता है। नवंबर और दिसंबर का समय पोस्ट-मानसून सीजन होने के कारण बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में चक्रवाती गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में उठने वाले तूफानों का नामकरण विश्व मौसम विज्ञान संगठन और संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक आयोग के तहत गठित पैनल करता है। इस पैनल में भारत, बांग्लादेश, ईरान, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और यमन सहित 13 देश शामिल हैं। इन देशों ने वर्ष 2020 में 13-13 नामों की सूची तैयार की थी। इस तरह कुल 169 नाम तय किए गए हैं। इन नामों का इस्तेमाल क्रमवार किया जाता है।